अगस्त, 2024

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु

CUET

एक उत्कृष्ट करियर हासिल करने की यात्रा में, सही मार्गदर्शक का चयन उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना कि अभ्यर्थी की कड़ी मेहनत। दृष्टि, अपने अग्रणी CUET (UG) कार्यक्रम के साथ, युवा अभ्यर्थियों के लिए उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में खड़ी है।

हिंदी और अंग्रेज़ी माध्यम में प्रवेश प्रारंभ

- CUET (UG) जनरल टेस्ट कोर्स
- CUET English Language Course
- CUET हिंदी भाषा कोर्स
- CUET Combo Course (जनरल टेस्ट+ हिंदी भाषा)
- CUET Combo Course (General Test + English Language)

Scan me for Hindi Courses

Scan me for English Courses

दृष्टि CUET(UG) कोर्स की मुख्य विशेषताएँ

- श्रेष्ठ शिक्षक
- लाइव कक्षाएँ
- विषयवार अभ्यास वर्कशीट
- नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार अद्यतन अध्ययन सामग्री
- कक्षा उपरांत सहायता और समस्या समाधन सत्र
- दैनिक समाचार अपडेट और मासिक करंट अफेयर्स का संकलन

To explore more, Scan the QR Code below:

Website

YouTube

PYQ's as Quizzes

विवरणिका

1. संवैधानिक/प्रशासनिक घटनाक्रम

- नागरिकता संशोधन अधिनियम (Citizenship Amendment Act- CAA), 2019 1
- छह नवीन संसदीय समितियाँ 1
- केंद्र ने लद्दाख में 5 नए ज़िलों की घोषणा की 2

2. भूगोल

- महाभूकंप संबंधी सलाह 3
- ONGC नें कृष्णा गोदावरी बेसिन क्षेत्र में कुआँ खोला 4
- वायनाड भूस्खलन 5
- अंटार्कटिका की सर्दियों की गर्मी 5
- हॉर्सशू क्रैब 6
- भूस्खलन से तीस्ता-V पावर स्टेशन क्षतिग्रस्त 7
- भारत और डेनमार्क का स्वच्छ नदी पहल पर सहयोग 8
- लिथियम खनन के कारण अटाकामा नमक मैदान डूब रहा है 9
- टाइफून शानशान 10

3. भारतीय अर्थव्यवस्था

- ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024 11
- RBI यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस लॉन्च करेगा 11
- वित्त वर्ष 2025 में 3 करोड़ पीएम जन धन खाते खोले जाएंगे 12
- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन (Association of Southeast Asian Nations- ASEAN)
  आसियान भारत वस्तु व्यापार समझौता (ASEAN India Trade in Goods Agreement- AITIGA) 12
- हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना 13

4. इतिहास

- फोर्ट सेंट जॉर्ज संग्रहालय में राष्ट्रीय खजाना 14
- प्राचीन महाराष्ट्र शैल कला 15
- सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी की 35 फीट ऊँची प्रतिमा ध्वस्त 15
- गुरु ग्रंथ साहिब 16

5. सामान्य विज्ञान

- तरंग शक्ति 17
- AXIOM-4 मिशन 17

विवरणिका

- ब्रेन ईटिंग अमीबा 18
- अस्त्र मिसाइल 18
- चावल की किस्मों द्वारा नाइट्रोजन का उपयोग 19
- पृथ्वी का टर्मिनेटर 20
- मित्र शक्ति 2024 20
- ग्लाइड बम 'गौरव' 21
- EOS-08 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 22
- राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (NPSS) 22
- एमपॉक्स (Mpox) प्रकोप 23
- मंगल ग्रह पर तरल जल 23
- चंद्रयान-3 से प्राप्त पहली खोज 24
- भारत के KAPS-4 परमाणु संयंत्र ने पूर्ण क्षमता से परिचालन शुरू किया 24
- ह्यूमनॉइड स्कल 25
- भारतीय नौसेना जहाज़ (INS) अरिघात (S3) 26

6. विश्व मामले

- हिंद-प्रशांत आर्थिक ढाँचा (Indo-Pacific Economic Framework- IPEF) 27
- भारत और वियतनाम 27
- तीसरा वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन 28
- भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन (इंडिया-अफ्रीका बिज़नेस कॉन्क्लेव) 28
- मलेशिया की ऑरंगुटान कूटनीति 29
- प्रधानमंत्री की पोलैंड यात्रा 29
- प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा 30

7. विविध

- महत्वपूर्ण दिन 32
- खेल 35
- चर्चित व्यक्तित्व 38
- सरकारी योजनाएँ 42
- पुरस्कार और सम्मान 44
- पुस्तकें एवं लेखक 46

1 भारतीय राज्यवयवस्था

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CITIZENSHIP AMENDMENT ACT- CAA), 2019

चर्चा में क्यों ?

अफगानिस्तान के 20 सिखों को, जो अफगान सिखों के पहले समूह का हिस्सा हैं, नई दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (CITIZENSHIP AMENDMENT ACT- CAA), 2019 के तहत नागरिकता प्रदान की गई है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) के बारे में:

- अधिनियम 2019 का उद्देश्य नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करना है।
- यह विधेयक पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से 31 दिसंबर, 2014 को अथवा उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले छह गैर-मुस्लिम समुदायों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी तथा ईसाई) को धर्म के आधार पर नागरिकता प्रदान करता है।
- यह विधेयक छह समुदायों के सदस्यों को विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 के तहत किसी भी आपराधिक मामले से छूट देता है।

नोट:

- भारत में नागरिकता कानूनों की उत्पत्ति संविधान के अनुच्छेद 5-11 तथा नागरिकता अधिनियम 1955 से हुई है।
- इस अधिनियम में जन्म, वंश, पंजीकरण और प्राकृतिककरण द्वारा नागरिकता के प्रावधान प्रदान किये गये।

दिल्ली सरकार का विकास कैसे हुआ ?

- **स्थान:** उत्तर भारत में स्थित, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों की सीमा से लगा हुआ।
- **प्रशासनिक प्रभाग:** 11 ज़िले हैं, जिनमें तीन नगर निगम हैं।
- **उपराज्यपाल:** विनय कुमार सक्सेना
- **मुख्यमंत्री:** अरविंद केजरीवाल
- **सीमावर्ती राज्य:** हरियाणा, उत्तर प्रदेश
- **विकास**
  - **राजवंश:** दिल्ली सल्तनत (वर्ष 1206-1526), मुगल साम्राज्य (वर्ष1526-1857)
  - **वर्ष 1911:** यह ब्रिटिश भारत की राजधानी बनी।
  - **वर्ष 1947:** इसे नवगठित भारतीय गणराज्य की राजधानी के रूप में नामित किया गया।
  - **वर्ष 1956:** इसे अपनी विधायिका के साथ एक केंद्रशासित प्रदेश घोषित किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने पर्याप्त नियंत्रण बनाए रखा।

छह नवीन संसदीय समितियाँ

चर्चा में क्यों ?

लोकसभा अध्यक्ष ने छह नवीन संसदीय समितियों का गठन किया, जिनके नाम हैं - लोक लेखा समिति, सार्वजनिक उपक्रम संबंधी समिति, प्राक्कलन समिति, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति, अन्य पिछड़ा वर्गों के कल्याण संबंधी समिति तथा लाभ के पदों संबंधी संयुक्त समिति।

नोट:

- **अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष:** डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते
- **सार्वजनिक उपक्रम संबंधी समिति के अध्यक्ष:** बैजयंत पांडा
- **लोक लेखा समिति (PAC) के अध्यक्ष:** के.सी. वेणुगोपाल।
- **प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष:** संजय जायसवाल
- **सार्वजनिक उपक्रम समिति के अध्यक्ष:** बैजयंत पांडा
- **अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष:** गणेश सिंह

लोकसभा (लोगों का सदन) के बारे में

- यह भारत की द्विसदनीय संसद का निचला सदन है, जबकि राज्यसभा ऊपरी सदन है।
- इसमें 552 सदस्य होते हैं। वर्तमान में आम चुनावों के माध्यम से लोगों द्वारा सीधे चुने गए 543 सदस्य हैं।
- इसके सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष होता है, जब तक इसके पूर्व सदन का विघटन न हो जाए ।
- लोकसभा विधि निर्माण और पारित करने के लिये उत्तरदायी है, कुछ विधेयकों को दोनों सदनों की मंज़ूरी की आवश्यकता होती है।

ओम बिडला के बारे में

- वह एक भारतीय विधिवेत्ता और सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं, जो वर्ष 2019 से 17वें लोकसभा अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- उन्होंने वर्ष 2014 से राजस्थान के कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य के रूप में कार्य किया है।
- वह वर्ष 2003 से 2014 तक कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा सदस्य भी रहे।
- वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य भी हैं।

ओम बिडला

केंद्र ने लद्दाख में 5 नए ज़िलों की घोषणा की

चर्चा में क्यों ?

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लद्दाख में पाँच नए ज़िले बनाने की घोषणा की- ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग।
- इस कदम का उद्देश्य सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार करना और सरकारी पहलों को दूर-दराज़ के क्षेत्रों के निकट लाना है।
- पहले, लद्दाख में केवल दो ज़िले थे, लेह तथा कारगिल।

लद्दाख

- लद्दाख भारत के सबसे उत्तरी भाग में स्थित एक केंद्रशासित प्रदेश (UT) है।
- यह 5 अगस्त, 2019 तक जम्मू-कश्मीर राज्य का हिस्सा था।
- यह उत्तर में काराकोरम रेंज और दक्षिण में हिमालय से घिरा है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ:** चीन और पाकिस्तान
- **राजधानी:** लेह लद्दाख की प्रशासनिक राजधानी है, जबकि कारगिल दूसरा सबसे बड़ा शहर है।
- **उपराज्यपाल:** बाल दत्त मिश्रा
- यह दुनिया की कुछ सबसे ऊँची मोटर योग्य सड़कों का घर है।
- इसे "दर्रे की भूमि" के रूप में जाना जाता है।
- आर्कटिक और रेगिस्तानी जलवायु की संयुक्त विशेषताओं के कारण इसे "ठंडा रेगिस्तान (Cold Desert)" कहा जाता है।
- **मृदा का प्रकार:** यह जलोढ़ मैदानों पर कंकरीली और रेतीली दोमट मृदा से लेकर सिंधु के बाढ़ के मैदानों पर रेतीली एवं गादयुक्त दोमट मृदा तक विस्तृत है।
- **प्रमुख नदियाँ**
  - सिंधु नदी
  - ज़ांस्कर नदी
  - श्योक नदी
  - नुबरा नदी
  - सुरू नदी
  - मरखा नदी
- **संरक्षित क्षेत्र**
  - हेमिस राष्ट्रीय उद्यान
  - चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य
  - काराकोरम वन्यजीव अभयारण्य
  - नुबरा वन्यजीव अभयारण्य

लद्दाख मेप

2 भूगोल

महाभूकंप संबंधी सलाह

चर्चा में क्यों ?

- जापान ने प्रशांत तट के किनारे एक कंपायमान समुद्री क्षेत्र के किनारे 7.1 तीव्रता के भूकंप के बाद पहली बार महाभूकंप चेतावनी जारी की है, जिसे नानकाई गर्त के नाम से जाना जाता है।
- इस चेतावनी में कहा गया है कि जापान के दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत तट के साथ एक प्रविष्ठन क्षेत्र (Subduction Zone), नानकाई गर्त पर तेज़ झटकों और बड़ी सुनामी की संभावना सामान्य से ज़्यादा है।

नानकाई गर्त के बारे में

- यह प्रशांत महासागर में दो विवर्तनिक प्लेटों के बीच एक प्रविष्ठन क्षेत्र (Subduction Zone) है, जहाँ पहले भी बड़े भूकंप आ चुके हैं।
- यह जल के नीचे का प्रविष्ठन क्षेत्र (लगभग 900 किमी लंबा) है, जहाँ यूरेशियन प्लेट फिलीपीन सागर प्लेट से टकराती है, जिससे फिलीपीन सागर प्लेट पृथ्वी के नीचे प्रविष्ठन होती है।
- यह टोक्यो के पश्चिम में शिज़ुओका से क्यूशू द्वीप के दक्षिणी सिरे तक फैला हुआ है।
- यह प्रत्येक एक या दो शताब्दी में आठ या नौ तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंपों का स्थल रहा है।

नानकाई गर्त

प्रविष्ठन क्षेत्र (Subduction Zone) क्या हैं ?

- यह वह स्थान है जहाँ ग्रह की दो विवर्तनिक प्लेटें टकराती हैं और एक प्लेट दूसरी के नीचे प्रविष्ठन होती है या धँस जाती है।
- विवर्तनिक प्लेटें पृथ्वी की कठोर बाहरी परत के टुकड़े हैं जो लाखों वर्षों में ग्रह की सतह पर धीरे-धीरे गति करती हैं।
- ये क्षेत्र विश्व के सर्वाधिक भूकंपीय और ज्वालामुखीय सक्रिय क्षेत्र हैं, जो विश्व के 80% से अधिक सबसे बड़े भूकंपों तथा ग्रह के अधिकांश सक्रिय ज्वालामुखियों के लिये ज़िम्मेदार हैं।

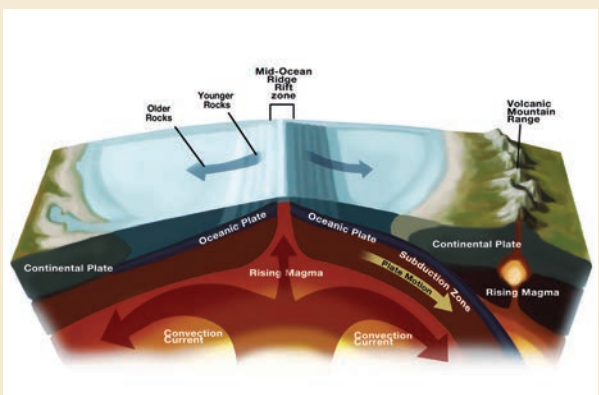

प्रविष्ठन क्षेत्र

नोट:

महाभूकंप

- यह असाधारण रूप से बड़े परिमाण के भूकंप को संदर्भित करता है और इसे रिक्टर पैमाने पर 8.0 या उससे अधिक परिमाण वाली भूकंपीय घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- ये शक्तिशाली भूकंप बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा निर्मुक्त करते हैं तथा व्यापक तबाही मचा सकते हैं, जिसमें गंभीर भूस्खलन, सुनामी और अन्य द्वितीयक प्रभाव शामिल हैं।
  - **जापान की राजधानी:** टोक्यो
  - **जापान की मुद्रा:** जापानी येन (¥)
  - **प्रधानमंत्री:** फूमियो किशिदा

ONGC ने कृष्णा गोदावरी बेसिन क्षेत्र में कुआँ खोला

चर्चा में क्यों ?

- तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ONGC) ने कृष्णा गोदावरी बेसिन में अपने पाँचवें तेल के कुएँ से उत्पादन शुरू कर दिया है, जिससे कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ गया है।
- जनवरी 2024 में शुरुआती चार कुओं के बाद, कंपनी का लक्ष्य मार्च 2025 तक प्रतिदिन 45,000 बैरल तेल तथा 10 मिलियन क्यूबिक मीटर गैस तक पहुँचना है।
- आंध्र प्रदेश के तट पर स्थित क्लस्टर-2 से उत्पादन शुरू हो गया है।

ONGC के बारे में

- **स्थापना:** वर्ष 1956
- **अध्यक्ष:** अरुण कुमार सिंह
- यह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (PSU) है।
- यह भारत के घरेलू कच्चे तेल उत्पादन में 60% से अधिक का योगदान देता है।
- **मुख्य गतिविधियाँ:** कच्चे तेल की खोज और उत्पादन (E&P), रिफाइनिंग तथा पेट्रोकेमिकल्स एवं प्राकृतिक गैस वितरण।
- **मुख्य सहायक कंपनियाँ:**
- ONGC विदेश लिमिटेड (OVL)
- मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (MRPL)
- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL)

कृष्णा गोदावरी (KG) बेसिन

- **स्थान:** यह भारत के पूर्वी तट पर स्थित है, जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में फैला हुआ है।
- यह कृष्णा और गोदावरी नदियों के संगम से बने डेल्टा क्षेत्र में स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है।
- यह एक प्रमुख तलछटी बेसिन है जिसमें मोटी तलछट जमाव है, जो इसे हाइड्रोकार्बन से समृद्ध बनाती है।
- बेसिन में तलछट लेट पर्मियन से लेकर प्लेइस्टोसिन युग तक फैली हुई है, जो एक विशाल समय अवधि को कवर करती है।
- रिलायंस ने बेसिन के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेष रूप से KG-D6 ब्लॉक के साथ, जो भारत के पहले गहरे जल के गैस उत्पादन क्षेत्रों में से एक था।

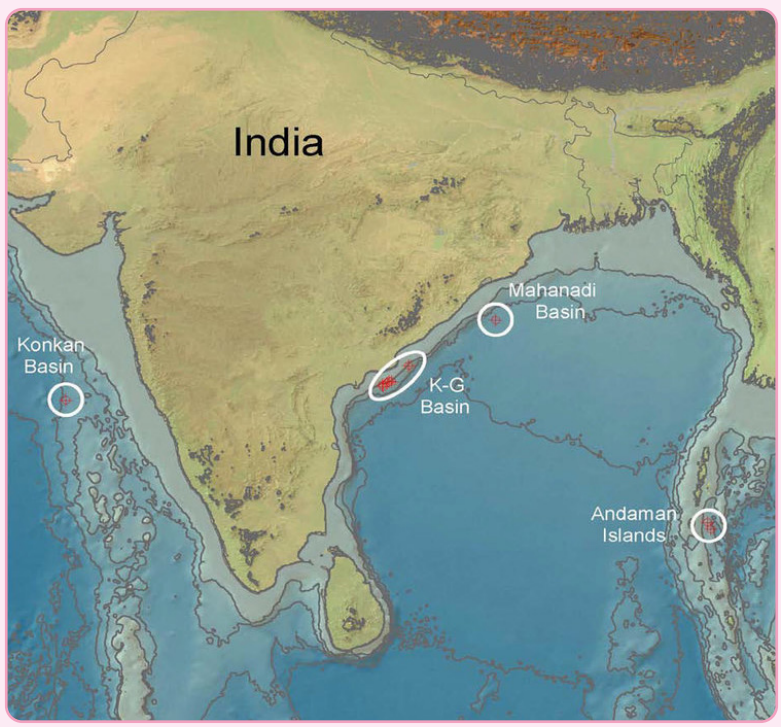

कृष्णा गोदावरी (KG) बेसिन

  - **हाइड्रोकार्बन क्षमता:** कृष्णा गोदावरी बेसिन एक मान्यता प्राप्त हाइड्रोकार्बन प्रांत है, जिसका संसाधन आधार 1,130 MMT है, जिसमें अपतटीय क्षेत्र में 555 MMT की पहचान की गई है।
- **पेट्रोलियम प्रणाली:** यह बेसिन हाइड्रोकार्बन से समृद्ध है, जिसमें भूमि पर सबसे पुराने परमो-ट्राइसिक मंडापेटा सैंडस्टोन से लेकर संरचनाओं में वाणिज्यिक संचय पाया जाता है।

वायनाड भूस्खलन

चर्चा में क्यों ?

- केरल के वायनाड ज़िले में अत्यधिक वर्षा और संवेदनशील पारिस्थितिक स्थितियों के कारण भूस्खलन से संबंधित सबसे विनाशकारी आपदाओं में से एक देखी गई है।
- ज़िले में 24 घंटे में 140 मिमी. से अधिक वर्षा हुई, जो अनुमानों से कहीं अधिक है और वर्ष 2018 की विनाशकारी बाढ़ की याद दिलाती है।

भूस्खलन के बारे में

- भूस्खलन, ढलान पर चट्टान, मृदा और मलबे का नीचे की ओर खिसकना है, जो छोटे परिवर्तनों से लेकर बड़ी, विनाशकारी घटनाओं तक हो सकता है।
- यह प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित ढलानों पर हो सकता है और अत्यधिक वर्षा, भूकंप, ज्वालामुखी गतिविधि, मानवीय गतिविधियों तथा भूजल स्तर में परिवर्तन जैसे कारकों से उत्पन्न होता है।

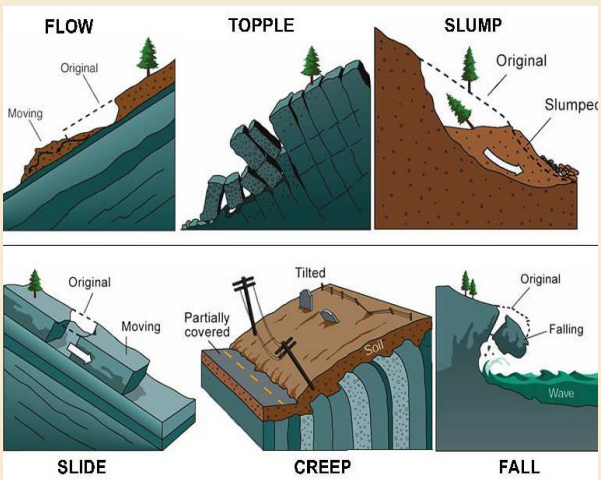

भूस्खलन के प्रकार

भारत में प्रमुख भूस्खलन

- वर्ष 2013 में केदारनाथ, उत्तराखंड
- वर्ष 2020 में पेट्टीमुडी, केरल
- वर्ष 2021 में मुंबई, महाराष्ट्र
- वर्ष 2022 में तुपल
- वर्ष 2023 में रायगढ़, महाराष्ट्र
- वर्ष 2024 में आइज़ोल
- वर्ष 2024 में शिरूर, कर्नाटक

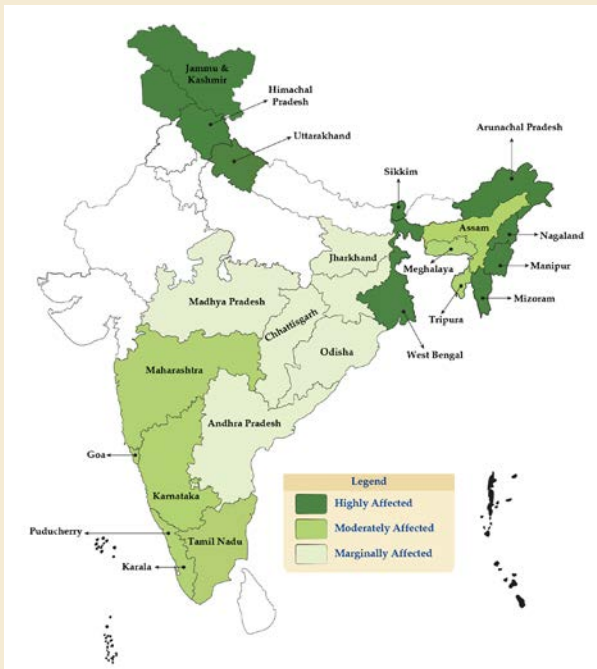

भूस्खलन प्रभावित राज्यों को दर्शाने वाला मानचित्र

अंटार्कटिका की सर्दियों की गर्मी

चर्चा में क्यों ?

- पिछले दो वर्षों में दूसरी बार अंटार्कटिका में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है, जबकि सर्दियों का मौसम अपने चरम पर है।
- जुलाई के मध्य से सतह का तापमान औसतन सामान्य तापमान से 10°C अधिक रहा है और कुछ दिनों में 28° से अधिक रहा है।

हीटवेव के बारे में

- पूर्वी अंटार्कटिका में तापमान वर्तमान में -25°C से -30°C के बीच रहता है, जहाँ सामान्यत: कठोर सर्दियों में तापमान -50°C से -60°C तक होता है।
- **कारण:**
  - **कमजोर ध्रुवीय भंवर:** अंटार्कटिका के ऊपर ठंडी वायु को फँसाने वाले ध्रुवीय भंवर में बड़े पैमाने पर वायुमंडलीय तरंगों के कारण गड़बड़ी हुई है। इस गड़बड़ी के कारण ठंडी वायु बाहर निकल गई और गर्म वायु अंदर आ गई, जिससे तापमान बढ़ गया।
  - **बर्फ की चादर का नुकसान:** अंटार्कटिका ने वर्ष 1980 और वर्ष 1990 के दशक की तुलना में हाल के दशकों में पहले ही 280% से अधिक बर्फ द्रव्यमान खो दिया है।

अंटार्कटिका

- **अवस्थिति:** अंटार्कटिका पृथ्वी का सबसे दक्षिणी महाद्वीप है, जो लगभग पूरी तरह से अंटार्कटिक वृत्त के भीतर स्थित है। यह दक्षिणी महासागर से घिरा हुआ है।
- **खोज:** वर्ष 1820
  - यह पृथ्वी पर पाँचवाँ सबसे बड़ा और सबसे ठंडा महाद्वीप है।
  - इसमें विश्व का लगभग 60% ताज़ा जल मौजूद है।
  - यह वैज्ञानिक अनुसंधान, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, हिमनद विज्ञान और खगोल विज्ञान का केंद्र है।
  - वर्ष 1959 में हस्ताक्षरित अंटार्कटिक संधि, महाद्वीप को वैज्ञानिक संरक्षण के रूप में नामित करती है और सैन्य गतिविधि पर प्रतिबंध लगाती है। इस पर 54 देशों ने हस्ताक्षर किये हैं।

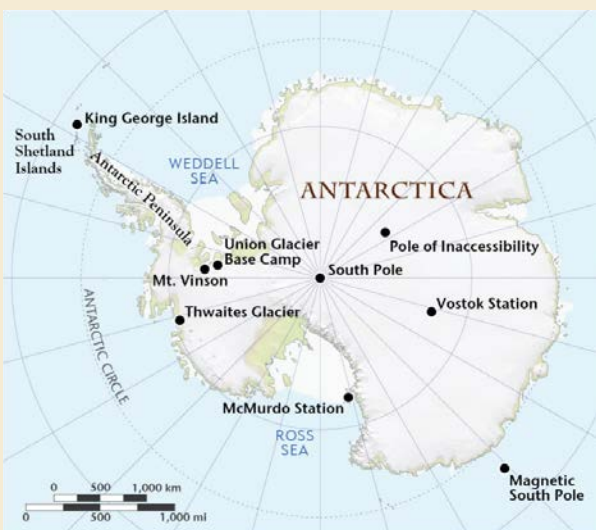

अंटार्कटिका का मानचित्र

हॉर्सशू क्रैब

चर्चा में क्यों?

- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) और ओडिशा वन विभाग ने संरक्षण तथा प्रबंधन के लिये हॉर्सशू क्रैब की आबादी एवं आवास उपयोग को समझने के लिये उन्हें टैग किया है।
- वे पृथ्वी पर सबसे पुराने जीवित प्राणियों में से एक हैं।
- वे भारत के उत्तरपूर्वी तट पर, विशेष रूप से ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट पर पाए जाते हैं।

हॉर्सशू क्रैब

परिचय

- वे समुद्री चेलिसेरेट आर्थ्रोपोड हैं।
- इन्हें अक्सर जीवित जीवाश्म कहा जाता है क्योंकि ये डायनासोर से भी पहले से 450 मिलियन वर्षों से अस्तित्व में हैं।
- **प्रजातियाँ और उनकी IUCN स्थिति:**
  - अमेरिकी हॉर्सशू क्रैब (लिमुलस पॉलीफेमस): संकटग्रस्त
  - त्रि-रीढ़ हॉर्सशू क्रैब (टैचीप्लस ट्राइडेंटेटस): लुप्तप्राय
  - तटीय हॉर्सशू क्रैब (टैचीप्लस गिगास): अभी सूचीबद्ध नहीं हैं।
  - मैंग्रोव हॉर्सशू क्रैब (कार्सिनोस्कॉर्पियस रोटुंडिकाउडा): अभी सूचीबद्ध नहीं हैं।

नोट:

भारत में ओडिशा हॉर्सशू क्रैब का सबसे बड़ा निवास स्थान है।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI)

- **स्थापना:** 1 जुलाई, 1916
- **मुख्यालय:** कोलकाता
- यह पर्यावरण एवं वन मंत्रालय का अधीनस्थ संगठन है।
- यह देश की असाधारण समृद्ध जैवविविधता पर ज्ञान की उन्नति के लिये अग्रणी संसाधनों के जीव सर्वेक्षण और अन्वेषण के लिये एक राष्ट्रीय केंद्र है।
- देश में इसके 16 क्षेत्रीय स्टेशन हैं।

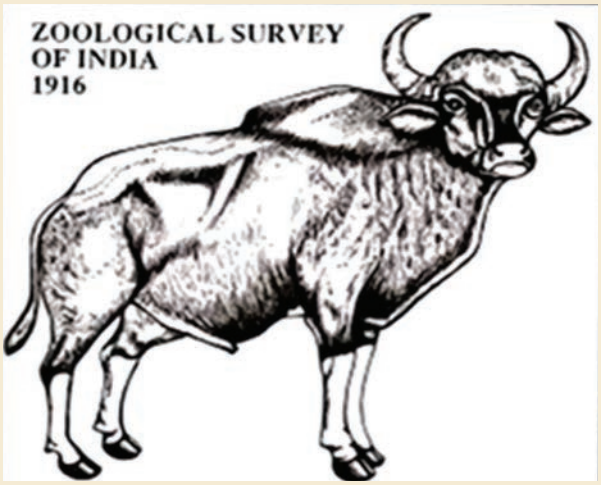

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण का लोगो 1916

IUCN के बारे में

- **मुख्यालय:** ग्लैंड, स्विट्ज़रलैंड
- **सदस्यता:** इसमें सरकारी और नागरिक समाज संगठन दोनों शामिल हैं।
- **संरचना:** इसमें एक परिषद, अध्यक्ष, महानिदेशक और एक सचिवालय शामिल है जो क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर काम करता है।
- इसकी स्थापना अक्तूबर 1948 में फ्राँस के फॉनटेनब्लियू में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के बाद इंटरनेशनल यूनियन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ नेचर (IUPN) के रूप में की गई थी।

IUCN का लोगो

- संगठन ने वर्ष 1956 में अपना नाम बदलकर IUCN (या UICN) के साथ इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर एंड नेचुरल रिसोर्सेज़ कर दिया।
  - IUCN रेड लिस्ट संकटग्रस्त प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम का आकलन करती है।
  - पारिस्थितिकी तंत्रों की IUCN रेड लिस्ट पारिस्थितिकी तंत्र के पतन के जोखिम का आकलन करती है।
  - IUCN विश्व धरोहर आउटलुक समय के साथ विश्व धरोहर स्थलों का आकलन करता है।
  - प्रमुख जैवविविधता क्षेत्रों का विश्व डेटाबेस जैवविविधता के लिये महत्त्वपूर्ण स्थलों का आकलन करता है।
  - संरक्षित ग्रह संरक्षित क्षेत्रों का आकलन करता है।
  - ECOLEX पर्यावरण कानून के लिये एक प्रवेश द्वार प्रदान करता है।
  - PANORAMA

भूस्खलन से तीस्ता-V पावर स्टेशन क्षतिग्रस्त

चर्चा में क्यों ?

- सिक्किम में नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (NHPC) के 510MW तीस्ता-V पावर स्टेशन को भारी भूस्खलन से नुकसान पहुँचा है।
- अक्तूबर 2023 से बंद यह स्टेशन तीस्ता नदी बेसिन में ग्लेशियल झील के फटने और बादल फटने के कारण आई अचानक बाढ़ के बाद जीर्णोद्धार के दौर से गुज़र रहा है।

तीस्ता नदी

- यह पूर्वी हिमालय में एक महत्त्वपूर्ण नदी है।
- **उत्पत्ति:** यह सिक्किम में हिमालय के ग्लेशियरों से निकलती है।
- **मार्ग:** यह बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले सिक्किम और पश्चिम बंगाल के भारतीय राज्यों से होकर बहती है, जहाँ यह ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है।

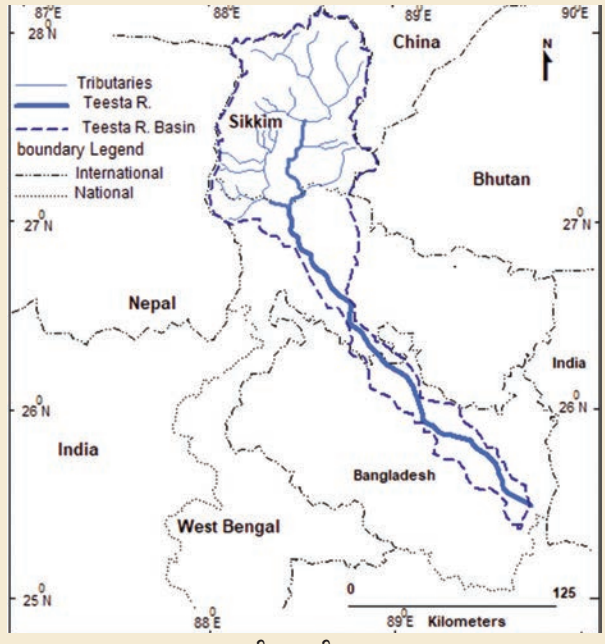

तीस्ता नदी

- **लंबाई:** भारत में लगभग 309 किलोमीटर (192 मील) और बांग्लादेश में जारी रहती है।
- **जलविद्युत परियोजनाएँ**
  - रम्मन II (पश्चिम बंगाल)
  - रंजीत III (पश्चिम सिक्किम)
  - तीस्ता लो डैम III (पश्चिम बंगाल
  - तीस्ता लो डैम IV (पश्चिम बंगाल)
  - तीस्ता स्टेज V (पूर्वी सिक्किम)

राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (NHPC)

- **स्थापना:** वर्ष 1975
- **मुख्यालय:** फरीदाबाद, हरियाणा
- **स्वामित्व:** विद्युत मंत्रालय
- **अध्यक्ष:** राज कुमार चौधरी
- यह एक प्रमुख भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।
- यह भारत में सबसे बड़ा जलविद्युत विकास संगठन है।
- **फोकस:** यह रन-ऑफ-रिवर और भंडारण परियोजनाओं सहित जलविद्युत परियोजनाओं के विकास, संचालन एवं रखरखाव में विशेषज्ञ है।

सिक्किम

- **स्थान:** पूर्वी हिमालय
- **स्थान:** सिक्किम की सीमा पश्चिम में नेपाल, उत्तर और पूर्व में चीन (तिब्बत) तथा दक्षिण-पूर्व में भूटान से लगती है।
- **राजधानी:** गंगटोक
- **पूर्व साम्राज्य:** वर्ष 1975 में जनमत संग्रह के बाद भारत का राज्य बनने से पहले सिक्किम एक स्वतंत्र राज्य था।
- यह 16 मई, 1975 को भारत का 22वाँ राज्य बना।
- **मुख्यमंत्री:** प्रेम सिंह तमांग (गोले)
- **राज्यपाल:** ओम प्रकाश माथुर
- **आधिकारिक भाषा:** अंग्रेज़ी
- **जातीय समूह:** लेप्चा, भूटिया और नेपाली
- **शिखर:** कंचनजंगा दुनिया की तीसरी सबसे ऊँची चोटी।
- **वनस्पति:** ऑर्किड, रोडोडेंड्रोन और अल्पाइन पौधों सहित विविध वनस्पतियों से समृद्ध।
- **जीव:** लाल पांडा, हिम तेंदुआ, हिमालयी तहर और विभिन्न पक्षी प्रजातियों का पर्यावास।

Location of Sikkim

भारत और डेनमार्क का स्वच्छ नदी पहल पर सहयोग

चर्चा में क्यों?

- भारत और डेनमार्क के बीच पर्यावरण रणनीतिक साझेदारी ने वरुणा नदी को बहाल करने के उद्देश्य से स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR) परियोजना शुरू की है।
- इस परियोजना को भारत के जल शक्ति मंत्रालय से ₹16.8 करोड़ तथा डेनमार्क से अतिरिक्त ₹5 करोड़ मिले हैं।

स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR)

- यह गठबंधन भारत सरकार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (IIT-BHU) और डेनमार्क सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय पहल है।
- **उद्देश्य:** सरकारी निकायों, ज्ञान संस्थानों और स्थानीय समुदायों के लिये अंतर्दृष्टि साझा करने तथा स्वच्छ नदी के पानी के लिये समाधान विकसित करने के लिये एक सहयोगी मंच बनाना।

- यह नदी के जल के प्रवाह और व्यवहार का अध्ययन करने के लिये विशेष मॉडल का उपयोग करेगा।
- इसमें वास्तविक विश्व की सेटिंग में समाधानों का परीक्षण और माप करने के लिये एक हाइब्रिड लैब मॉडल एवं एक ऑन-फील्ड लिविंग लैब की सुविधा है।

वरुणा नदी

- यह उत्तर प्रदेश में गंगा नदी की एक छोटी सहायक नदी है।
- यह गंगा के पृथ्वी पर आने की मिथक से जुड़ी है।
- यह प्रयागराज ज़िले के फूलपुर से प्रवाहित होती है और वाराणसी ज़िले के सराय मोहना के पास गंगा में मिल जाती है।
- इसका नाम जल के वैदिक देवता वरुण के नाम पर रखा गया है।

डेनमार्क

- यह उत्तरी यूरोप में स्थित एक स्कैंडिनेवियाई देश है।
- **सीमाएँ:** पश्चिम में उत्तरी सागर, पूर्व में बाल्टिक सागर और दक्षिण में जर्मनी।
- **राजधानी:** कोपेनहेगन
- **आधिकारिक भाषा:** डेनिश
- **सरकार:** संसदीय प्रणाली के साथ संवैधानिक राजतंत्र।
- **राजा:** फ्रेडरिक दसवाँ (फ्रेडरिक X)
- **प्रधानमंत्री:** मेटे फ्रेडरिक्सन
- **मुद्रा:** डेनिश क्रोन (DKK)
- यह यूरोपीय संघ (EU) और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) का सदस्य है।

डेनमार्क का स्थान और उसका ध्वज

लिथियम खनन के कारण अटाकामा नमक मैदान डूब रहा है

चर्चा में क्यों?

- चिली विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, लिथियम ब्राइन निष्कर्षण के कारण चिली का अटाकामा नमक मैदान प्रतिवर्ष 1 से 2 सेंटीमीटर डूब रहा है।
- अध्ययन में विश्व के दूसरे सबसे बड़े लिथियम उत्पादक चिली के लिए चिंता व्यक्त की गई है, क्योंकि यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े लिथियम भंडारों में से एक का दोहन करता है।

लिथियम

- इसे सफेद सोना के नाम से जाना जाता है।
- यह एक नरम, चाँदी-सफेद क्षार धातु है जिसका परमाणु क्रमांक 3 है।
- यह सबसे हल्की धातु सबसे कम घनत्व वाला ठोस तत्त्व है जो जल पर तैरता है।
- **रासायनिक प्रतीक:** Li
  - यह अत्यधिक प्रतिक्रियाशील है, विशेष रूप से पानी के साथ, जिससे लिथियम हाइड्रॉक्साइड और हाइड्रोजन गैस का निर्माण होता है।
  - इसे खनिज तेल जैसे गैर-अभिक्रियाशील पदार्थ में संग्रहित किया जाना चाहिये।
- **अनुप्रयोग:**
  - लिथियम-आयन बैटर
  - काँच और चीनी मिट्टी
  - ग्रीस
  - फार्मास्यूटिकल्स
  - मिश्र धातु
  - वायु शोधन
- **स्रोत:**
  - **प्राकृतिक उपस्थिति:** यह लगभग सभी आग्नेय चट्टानों और खनिज झरनों में अल्प मात्रा में पाया जाता है।
  - **खनिज:** जैसे स्पोड्यूमीन और लेपिडोलाइट।
  - **ब्राइन पूल:** चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया (लिथियम त्रिकोण) जैसे नमक के मैदान।
  - **प्रमुख उत्पादक:** ऑस्ट्रेलिया, चिली, चीन और अर्जेंटीना

लिथियम ब्राइन निष्कर्षण

- चिली का अटाकामा रेगिस्तान, जो विश्व के सबसे बड़े लिथियम स्रोतों में से एक है।
- **विधि:**
- **पंपिंग:** नमक युक्त जल (ब्राइन) को भूमिगत जलभृतों से सतह पर पंप किया जाता है।

- **वाष्पीकरण तालाब:** इसके बाद नमकीन जल को बड़े वाष्पीकरण तालाबों में भेज दिया जाता है, जहाँ सौर ऊर्जा जल को वाष्पित कर देती है तथा लिथियम लवण को पीछे छोड़ देती है।
- **अवतलन:**
- निष्कर्षण प्रक्रिया के कारण भू-अवतलन हो सकता है, जहाँ अत्यधिक मात्रा में खारे जल को बाहर निकालने के कारण भूमि धँस जाती है।
- ऐसा इसलिये होता है क्योंकि खारे जल के निष्कर्षण की दर जलभृतों की प्राकृतिक पुनर्भरण दर से अधिक हो जाती है, जिसके कारण पृथ्वी की सतह का अवतलन हो जाता है।

चिली

- **अवस्थिति:** दक्षिण अमेरिका का पश्चिमी तट, पश्चिम में प्रशांत महासागर, पूर्व में अर्जेंटीना, उत्तर-पूर्व में बोलीविया और उत्तर में पेरू।
- यह विश्व के सबसे लंबे उत्तर-दक्षिण देशों में से एक है, जो उत्तर में अटाकामा रेगिस्तान से लेकर दक्षिण में पैटागोनियन क्षेत्र तक 4,300 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- यह विश्व का सबसे बड़ा ताँबा उत्पादक है और इसके पास लिथियम का महत्त्वपूर्ण भंडार है।
- **आधिकारिक भाषा:** स्पेनिश
- **स्वतंत्रता स्पेन से:** 18 सितंबर, 1810 में।
- यहाँ वर्ष 1973 से वर्ष 1990 तक ऑगस्टो पिनोशे के अधीन सैन्य तानाशाही का शासन था।
- **सरकार का प्रकार:** एकात्मक राष्ट्रपति गणराज्य
- **राष्ट्रपति:** गेब्रियल बोरिक
- **राजधानी:** सैंटियागो
- **मुद्रा:** चिली पेसो (CLP)

चिली का स्थान

टाइफून शानशान

चर्चा में क्यों

- धीमी गति से साइकिल की तरह आगे बढ़ रहे टाइफून शानशान ने दक्षिणी जापान में अत्यधिक वर्षा शुरू कर दी है।
- इस तूफान की तीव्र हवाओं, ऊँची लहरों और अत्यधिक वर्षा के साथ देश के अधिकांश हिस्सों को प्रभावित करने की आशंका है।
- जापानी मौसम अधिकारियों ने दक्षिणी क्यूशू के नज़दीक तूफान के आने पर उच्च स्तर की चेतावनी जारी की है, जिसमें 60 सेंटीमीटर (23.6 इंच) तक वर्षा होने का अनुमान है।

जापान के बारे में

- **अवस्थिति:** पूर्वी एशिया में द्वीप राष्ट्र
- **मुख्य द्वीप:** होन्शू, होकैडो, क्यूशू और शिकोकू
- **राजधानी:** टोक्यो
- **मुद्रा:** जापानी येन (¥)
- **आधिकारिक भाषा:** जापानी
- **राजनीतिक व्यवस्था:** संसदीय सरकार के साथ संवैधानिक राजतंत्र
- **सम्राट:** नारुहितो
- **प्रधानमंत्री:** फुमियो किशिदा
- यह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जिससे यह भूकंप और सुनामी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।
- **प्रमुख ब्रांड:** टोयोटा, सोनी और निन्टेंडो

जापान का स्थान

3 भारतीय अर्थव्यवस्था

ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में लगातार दूसरे वर्ष "A+" ग्रेड अर्जित किया है।
- दो अन्य केंद्रीय बैंकरों- स्विट्ज़रलैंड के थॉमस जे. जॉर्डन और वियतनाम के गुयेन थी होंग ने भी 'A+' ग्रेड अर्जित किया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास

भारतीय रिज़र्व बैंक

- बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रावधानों के अनुसार की गई थी।
- इसकी स्थापना शुरू में कोलकाता में हुई थी लेकिन वर्ष 1937 में इसे स्थायी रूप से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया।
- **कार्य**
  - यह देश के लिये बनाई गई मौद्रिक नीतियों की योजना बनाता है और उनका पर्यवेक्षण करता है।
  - यह उन मापदंडों का निर्माण करता है जिनके तहत देश के सभी बैंकों को कार्य करना चाहिये।
  - भारत और अन्य देशों के बीच होने वाले सभी विदेशी विनिमयों का रखरखाव तथा देखभाल RBI द्वारा होती है।
  - RBI वह प्राधिकरण है जो नोट जारी करता है, पुराने नोटों को नष्ट करता है और यह निर्णय लेता है कि कौन-सी मुद्रा लोगों के बीच प्रचलन के लिये उपयुक्त है।
  - यह आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये देश में भुगतान प्रणालियों के सुरक्षित और कुशल तरीकों को लागू करता है तथा उन्हें उन्नत बनाता है।
- **RBI के प्रकाशन:** वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, मौद्रिक नीति रिपोर्ट और वित्तीय समीक्षा पर रिपोर्ट।
- **पहल:** बेंगलूरू में रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) और रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (INR)।

भारतीय रिज़र्व बैंक का लोगो

RBI यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस लॉन्च करेगा

चर्चा में क्यों?

बेंगलूरू में "Digital Public Infrastructure and Emerging Technologies अर्थात् डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ" विषय पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में RBI ने कहा कि यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (ULI) से खुदरा ऋण प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन आने की आशा है, जैसा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के प्रभाव से हुआ है।

यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस

- **विकसितकर्त्ता:** रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब, जो RBI की एक सहायक कंपनी है।
- **उद्देश्य:** ग्रामीण और छोटे उधारकर्ताओं को ऋण वितरण में तेज़ी लाना।

वित्त वर्ष 2025 में 3 करोड़ पीएम जन धन खाते खोले जाएंगे

चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि इस वित्तीय वर्ष में PMJDY के तहत करीब 3 करोड़ नए खाते खोले जाने की आशा है।
- मार्च 2015 में इस योजना के तहत 14.72 करोड़ खाते थे, जो अगस्त 2024 तक बढ़कर 53.13 करोड़ हो गए हैं।
- इसमें जमा राशि 15,670 करोड़ रुपए से बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY)

- **शुभारंभ:** 28 अगस्त, 2014 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा
- **सरकारी मंत्रालय:** वित्त मंत्रालय
- यह वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है, जिसका उद्देश्य भारत में प्रत्येक परिवार को बुनियादी बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना है।
- **प्राथमिक उद्देश्य**
  - बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना।
  - बुनियादी बचत और जमा खाते उपलब्ध कराना।
  - वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना।

PMJDY का लोगो

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन (Association of Southeast Asian Nations- ASEAN)- आसियान भारत वस्तु व्यापार समझौता (ASEAN India Trade in Goods Agreement- AITIGA)

चर्चा में क्यों?

- आसियान और भारत के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिये इंडोनेशिया के जकार्ता स्थित आसियान सचिवालय में **पाँचवीं AITIGA संयुक्त समिति** की बैठक आयोजित की गई।
- आसियान भारत का एक महत्त्वपूर्ण व्यापार भागीदार है, जिसकी भारत के वैश्विक व्यापार में लगभग 11% हिस्सेदारी है।
- वर्ष 2009 में हस्ताक्षरित AITIGA की समीक्षा से भारत-आसियान व्यापार के स्तर को बढ़ाने के लिये दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिये और अवसर उत्पन्न करने में मदद मिलेगी।
- **AITIGA संयुक्त समिति की अगली बैठक** नवंबर 2024 में **भारत** में होगी।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान)

- **स्थापना:** 8 अगस्त, 1967, बैंकॉक, थाईलैंड
- **संस्थापक:** अब्दुल रज़ाक हुसैन, नार्सिसो रामोस, एडम मलिक, सिन्नाथम्बी राजारत्नम, थानात खोमन
- **मुख्यालय:** जकार्ता, इंडोनेशिया
- **आदर्श वाक्य:** एक दृष्टि, एक पहचान, एक समुदाय
- **सदस्य राष्ट्र:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्याँमार, कंबोडिया
- यह दक्षिण पूर्व एशिया के 10 राज्यों का एक राजनीतिक और आर्थिक संगठन है।
- भारत ने वर्ष 1992 में क्षेत्रीय वार्ता साझेदार (सचिव स्तरीय बातचीत) के रूप में तथा तत्पश्चात् वर्ष 1995 में वार्ता साझेदार के रूप में आसियान के साथ औपचारिक सहभागिता शुरू की।

- मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों के साथ घनिष्ठ एवं लाभकारी सहयोग को बनाए रखना।

ASEAN का लोगो

हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार और विश्व बैंक ने हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना (Green National Highway Corridors Project-GNHCP) पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें विश्व बैंक 1,288.24 मिलियन डॉलर की परियोजना के लिये 500 मिलियन डॉलर का ऋण प्रदान करेगा।

परियोजना के बारे में:

- **कवर किये गए राज्य:** हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश
- **दूरी:** 781 किलोमीटर
- **कुल लागत:** 7,662.47 करोड़ रुपए
- **विश्व बैंक ऋण:** $500 मिलियन
- **पूर्ण होने की तिथि:** मई 2026
- **हरित प्रौद्योगिकी फोकस:**
  - **सामग्री:** सीमेंट उपचारित उप-आधार, पुन: प्राप्त डामर फुटपाथ, स्थानीय और सतत् सामग्री (फ्लाई ऐश, अपशिष्ट प्लास्टिक)।
  - **तकनीक:** ढलान संरक्षण, कोको फाइबर/जूट कटाव नियंत्रण, हाइड्रोसीडिंग, वनस्पति के साथ शॉटक्रीट पालना दीवारों के लिये जैव इंजीनियरिंग।

विश्व बैंक:

- **स्थापना:** 1 जुलाई, 1944
- **सदस्य:** 189 सदस्य देश
- **मुख्यालय:** वाशिंगटन, डी.सी., USA
- **अध्यक्ष:** अजय बंगा
- **उद्देश्य:** विकासशील देशों को विकास परियोजनाओं (जैसे- बुनियादी ढाँचा, शिक्षा, स्वास्थ्य) के लिये वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना, जिनसे आर्थिक संभावनाओं एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।
- **मुख्य संस्थान:**
  - अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आई. बी. आर.डी.)
  - अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए)
  - अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी)
  - बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA)
  - निवेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)

4 इतिहास

फोर्ट सेंट जॉर्ज संग्रहालय में राष्ट्रीय खजाना

चर्चा में क्यों?

- चेन्नई स्थित फोर्ट सेंट जॉर्ज संग्रहालय में भारत की राष्ट्रीय धरोहर प्रदर्शित की गई है, जो 15 अगस्त 1947 को फोर्ट सेंट जॉर्ज पर फहराए गए प्रथम झंडों में से एक है।
- यह झंडा 12 फीट लंबा और 8 फीट चौड़ा है।
- यह भारत का एकमात्र जीवित ध्वज है जिसे 1947 में फहराया गया था।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज

संग्रहालय में स्वतंत्रता गैलरी

- **इतिहास**
  - संभवत: भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त, 1906 को कोलकाता के पारसी बागान स्क्वायर (ग्रीन पार्क) में फहराया गया था।
  - दूसरा भारतीय ध्वज वर्ष 1907 में पेरिस में मैडम भीकाजी कामा द्वारा फहराया गया था।
  - वर्ष 1921 में अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस समिति के बेज़ वाड़ा अधिवेशन में पिंगली वेंकैया ने लाल और हरे रंग से एक ध्वज डिज़ाइन किया, जो हिंदुओं एवं मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता था।
    - गांधीजी ने भारत के शेष समुदायों के लिये एक सफेद पट्टी और देश के विकास के प्रतीक के रूप में एक चलता हुआ चरखा जोड़ने का सुझाव दिया।
  - वर्ष 1947 में संविधान सभा ने तीन पट्टियों और बीच में अशोक चक्र वाले भारतीय ध्वज को अपनाया।

भारतीय ध्वज का विकास

- **राष्ट्रीय ध्वज का विवरण**
  - ध्वज पर प्रतीक के रूप में 24 तीलियों वाले अशोक चक्र ने चरखे की जगह ले ली। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि गति में जीवन है और स्थिरता में मृत्यु।
  - राष्ट्रीय ध्वज आयताकार होना चाहिये जिसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 हो।
- **संवैधानिक एवं कानूनी पहलू**
  - **भाग IV (A):** भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों तथा संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्रगान का सम्मान करे।

प्राचीन महाराष्ट्र शैल कला

चर्चा में क्यों ?

महाराष्ट्र सरकार ने रत्नागिरी के प्राचीन भू-आकृति और शैलचित्रों को संरक्षित स्मारक घोषित किया है, जो मध्यपाषाण काल के हैं।

जियोग्लिफ और पेट्रोग्लिफ (शैलोत्कीर्ण)

- इन्हें महाराष्ट्र प्राचीन स्मारक और पुरातत्त्व स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1960 के तहत संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है।
- वे मध्यपाषाण युग के हैं और मध्यपाषाण मानव की रचनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **जियोग्लिफ:**
  - वे कोंकण क्षेत्र के लैटेराइट पठारों पर बड़े पैमाने पर, खुले आकाश के नीचे बनाए गए चित्र हैं।
  - इनमें समुद्री, नदीय, स्थलीय और विलुप्त जीवन रूपों के चित्रात्मक चित्रण शामिल हैं।
- **पेट्रोग्लिफ (शैलोत्कीर्ण):**
  - आमतौर पर चट्टानों, पत्थरों अथवा गुफा की दीवारों पर स्थित ये चित्र या प्रतीक होते हैं जिन्हें चट्टान की सतह पर काट कर, उकेर कर या छेनी से बनाया जाता है।

महाराष्ट्र रॉक आर्ट

महाराष्ट्र:

- **अवस्थिति:** पश्चिमी भारत
- **सीमाएँ:** अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक और गोवा।
- **राजधानी:** मुंबई, भारत का वित्तीय और मनोरंजन केंद्र।
- **आधिकारिक भाषा:** मराठी
- **मुख्यमंत्री:** एकनाथ शिंदे
- **राज्यपाल:** सी.पी. राधाकृष्णन
- यह भारत का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है।
- यह भारत के सबसे धनी राज्यों में से एक है।
- **प्रमुख बंदरगाह:**
  - मुंबई बंदरगाह
  - जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (न्हावा शेवा)
  - दिघी बंदरगाह
  - दाभोल बंदरगाह
- **प्रमुख नदियाँ:**
  - गोदावरी नदी
  - भीमा नदी
  - कृष्णा नदी
  - वर्धा नदी
  - तापी (ताप्ती) नदी
- **प्रमुख बाँध:**
  - कोयना
  - भातसा
  - जायकवाड़ी
  - मुला
  - उज्जनी
- **प्रमुख मृदा के प्रकार:** काली मृदा (रेगुर मृदा), लाल मृदा, लैटेराइट मृदा, जलोढ़ मृदा, लवणीय मृदा।

महाराष्ट्र का स्थान

सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी की 35 फीट ऊँची प्रतिमा ध्वस्त

चर्चा में क्यों ?

पिछले वर्ष सिंधुदुर्ग स्थित राजकोट किले (जिसे राजा की कोठी के नाम से भी जाना जाता है) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनावरण की गई मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तेज़ हवाओं के कारण ढह गई।

छत्रपति शिवाजी महाराज

- उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को महाराष्ट्र के पुणे के पास शिवनेरी किले में हुआ था।
- 6 जून, 1674 को रायगढ़ में उन्हें मराठों के राजा के रूप में ताज पहनाया गया।
- **उपाधियाँ:** छत्रपति, शककर्त्ता, क्षत्रिय कुलवंत और हैंदव धर्मोद्धारक।
- शिवाजी द्वारा स्थापित मराठा साम्राज्य समय के साथ विकसित होता गया और 18वीं शताब्दी की शुरुआत में प्रमुख भारतीय शक्ति बन गया।
- 3 अप्रैल, 1680 को उनकी मृत्यु हो गई।

महत्त्वपूर्ण युद्ध	
युद्ध	**विवरण**
प्रतापगढ़ का युद्ध, वर्ष 1659	यह युद्ध महाराष्ट्र के सतारा शहर के निकट प्रतापगढ़ किले पर मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और आदिलशाही सेनापति अफज़ल खान की सेनाओं के बीच लड़ा गया था।
सिंहगढ़ का युद्ध, वर्ष 1670	महाराष्ट्र के पुणे शहर के पास सिंहगढ़ किले पर मराठा शासक शिवाजी महाराज के सेनापति तानाजी मालुसरे और मुगल सेना प्रमुख जय सिंह प्रथम के अधीन किलेदार उदयभान राठौड़ के बीच युद्ध हुआ।

गुरु ग्रंथ साहिब

चर्चा में क्यों?

विदेश मंत्रालय (Ministry of External Affairs- MEA) ने जानकारी दी है कि कतर ने दोहा स्थित भारतीय दूतावास को गुरु ग्रंथ साहिब की दो सरूप (प्रतियाँ) लौटा दी हैं।

गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप के बारे में

- सरूप श्री गुरु ग्रंथ साहिब की एक भौतिक प्रति है, जिसे पंजाबी में बीर भी कहा जाता है।
- प्रत्येक बीर में 1,430 पृष्ठ होते हैं जिन्हें अंग कहा जाता है।

सिख धर्म के बारे में

- पंजाबी भाषा में सिख शब्द का अर्थ शिष्य होता है।
- सिख एक ईश्वर (एकेश्वरवाद) में विश्वास करते हैं। सिख अपने धर्म को गुरमत (गुरु का मार्ग) कहते हैं।
- सिख धर्म की स्थापना गुरु नानक (वर्ष 1469-1539) द्वारा की गई थी और तत्पश्चात् नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व किया।
- गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ (जिसका अर्थ है 'शुद्ध'), सैनिक-संतों की स्थापना की।

नोट:

- **कतर की राजधानी:** दोहा
- **कतर की मुद्रा:** कतरी रियाल
- **कतर की भाषा:** अरबी
- **प्रधानमंत्री:** मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी

दस सिख गुरु - परंपरा तालिका		
पहले गुरु	गुरु नानक	1469-1539
दूसरे गुरु	गुरु अंगद	1504-1552
तीसरे गुरु	गुरु अमर दास	1479-1574
चौथे गुरु	गुरु राम दास	1534-1581
पाँचवें गुरु	गुरु अर्जुन देव	1563-1606
छठे गुरु	गुरु हरगोबिंद	1595-1644
सातवें गुरु	गुरु हर राय	1630-1661
आठवें गुरु	गुरु हरकिशन	1661-1664
नवें गुरु	गुरु तेग बहादुर	1621-1675
दसवें गुरु	गुरु गोबिंद सिंह	1666-1708

5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

तरंग शक्ति

चर्चा में क्यों ?

भारत **तमिलनाडु के सुलार** में दो चरणों में अपना **पहला बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति 2024** आयोजित करेगा।

भारतीय वायु सेना (IAF)

- **स्थापना:** 8 अक्तूबर 1932
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **आदर्श वाक्य:** गौरव के साथ आकाश को छूओ (भगवद गीता- अध्याय 11)
- **वायुसेना प्रमुख:** विवेक राम चौधरी
- इसकी स्थापना ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स की सहायक शाखा के रूप में की गई थी। यह भारतीय वायु सेना अधिनियम 1932 द्वारा निर्धारित किया गया था।
- पहली विमान उड़ान 1 अप्रैल, 1933 को अस्तित्व में आई जब 4 वेस्टलैंड वापिटी हवाई जहाज़ों के पहले स्क्वाड्रन को कमीशन किया गया।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस के बाद विश्व में चौथा सबसे बड़ा है।
- **महत्त्वपूर्ण संचालन**
  - **ऑपरेशन विजय (1961):** गोवा, दमन और दीव को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराना।
  - **दूसरा कश्मीर युद्ध (1965):** भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर लड़ाई हुई जो ताशकंद समझौते के साथ समाप्त हुई।
  - **बांग्लादेश मुक्ति युद्ध (1971):** भारत ने पाकिस्तान से स्वतंत्रता प्राप्त करने में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) का समर्थन किया।
  - **ऑपरेशन पूमलाई (1987):** गृहयुद्ध के दौरान श्रीलंका के जाफना में तमिल नागरिकों के लिये भारतीय मानवीय हवाई हमला।
  - **ऑपरेशन कैक्टस (1988):** मालदीव में तख्तापलट को विफल करने और सरकार को बहाल करने के लिये हस्तक्षेप।
  - **ऑपरेशन सफ़ेद सागर (1999):** भारत ने पाकिस्तानी सेना द्वारा घुसपैठ किये गए कारगिल के क्षेत्रों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया।
  - **ऑपरेशन बंदर (2019):** पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान में एक आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर भारतीय हवाई हमला।

IAF का लोगो

AXIOM-4 मिशन

चर्चा में क्यों ?

- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (International Space Station- ISS) के लिये AXIOM-4 मिशन हेतु ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालकृष्णन नायर को चुना है।
- यह मिशन इसरो-नासा के संयुक्त प्रयास का हिस्सा है।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालकृष्णन नायर

AXIOM-4 मिशन के बारे में

- AXIOM मिशन 4 या Ax-4 अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिये एक निजी अंतरिक्ष उड़ान है।
- इसका संचालन AXIOM स्पेस द्वारा किया जाता है तथा यह स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान का उपयोग करता है।
- यह उड़ान नासा के सहयोग से की जा रही है और यह AXIOM मिशन 1, AXIOM मिशन 2 तथा AXIOM मिशन 3 के बाद AXIOM स्पेस की चौथी उड़ान होगी।

ISRO के बारे में

- **स्थापना:** 15 अगस्त, 1969
- **मुख्यालय:** बेंगलुरु
- **संस्थापक:** विक्रम साराभाई
- **अध्यक्ष:** डॉ. एस. सोमनाथ
- यह भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत अंतरिक्ष एजेंसी है।
- इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान और ग्रहों की खोज को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय विकास के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।

ISRO का लोगो

राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा)

- **स्थापना:** 1 अक्टूबर 1958
- **संस्थापक:** ड्वाइट डी. आइजनहावर
- **मुख्यालय:** वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय सरकार की कार्यकारी शाखा की एक स्वतंत्र एजेंसी है।
- इसे 1958 के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एक्ट के तहत स्थापित किया गया था।
- **उद्देश्य**
  - अंतरिक्ष से संबंधित तकनीकी नवाचारों में दुनिया का नेतृत्व करना।
  - ऐसे वाहनों का विकास करना जो उपकरणों और जीवित प्राणियों दोनों को अंतरिक्ष में ले जा सकें।
  - सबसे बड़े वैज्ञानिक प्रगति को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ समन्वय करना।

नोट:

मॉड्यूलर स्टेशनों के माध्यम से मौजूदा संरचना में मॉड्यूल जोड़े अथवा हटाए जा सकते हैं, जिससे अधिक लचीलापन मिलता है।

ब्रेन ईटिंग अमीबा

चर्चा में क्यों ?

केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस का चौथा मामला सामने आया है, जो एक दुर्लभ और अक्सर घातक मस्तिष्क संक्रमण है, जो मुक्त-जीवित अमीबा नेगलेरिया फाउलेरी के कारण होता है।

नेगलेरिया फाउलरी के बारे में

- यह एक स्वतंत्र रूप से रहने वाला सूक्ष्म अमीबा है।
- यह झीलों, नदियों, गर्म झरनों और अपर्याप्त रूप से क्लोरीनयुक्त स्विमिंग पूल जैसे गर्म ताज़े जल के निकायों में पाया जाता है।
- यह स्थिर या धीमी गति से बहने वाले जल में पनपता है।
- यह एक गैर-संचारी रोग है।
- **मार्ग**
  - अमीबा आमतौर पर नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है जब लोग तैराकी करते हैं या गर्म ताज़े जल में गोता लगाते हैं।
  - फिर यह मस्तिष्क तक पहुँचता है और इसके ऊतकों को नष्ट कर देता है, जिससे एक घटक संक्रमण होता है जिसे प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (Primary Amoebic Meningoencephalitis- PAM) के रूप में जाना जाता है।

अस्त्र मिसाइल

चर्चा में क्यों ?

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF) ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organization- DRDO) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (Bharat Dynamics Limited- BDL) को अपने Su-30 तथा LCA तेजस लड़ाकू विमानों के लिये 200 अस्त्र हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के उत्पादन की मंज़ूरी दे दी है।

अस्त्र मिसाइल के बारे में

- यह बियॉन्ड -विसुअल-रेंज (Beyond-Visual-Range- BVR) हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसे लड़ाकू विमानों पर लगाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है तथा भारतीय वायु सेना (IAF) के लिये भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) द्वारा निर्मित किया गया है।
- **प्रदर्शन:**
  - **वज़न:** 154 किलोग्राम
  - **परास:** आमने-सामने की लड़ाई में 80 से 110 किलोमीटर
  - **गति:** 4.5 मैक तक पहुँचने में सक्षम, हाइपरसोनिक गति के करीब।
  - फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप के साथ एक जड़त्वीय मार्गदर्शन प्रणाली का उपयोग करता है।
  - सक्रिय रडार होमिंग के माध्यम से टर्मिनल मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।
  - "लॉन्च से पहले लॉक ऑन" (LOBL) और "लॉन्च के बाद लॉक ऑन" (LOAL) विकल्प प्रदान करता है।
  - उन्नत सॉलिड-फ्यूल डक्टेड रैमजेट (Solid-Fuel Ducted Ramjet- SFDR) इंजन तकनीक द्वारा संचालित।
  - उच्च विश्वसनीयता और बहुत उच्च "सिंगल शॉट किल प्रोबेबिलिटी" (Single Shot Kill Probability- SSKP) का दावा करता है।
  - दिन हो या रात, सभी मौसम की परिस्थितियों में संचालित होता है।

अस्त्र मिसाइल

चावल की किस्मों द्वारा नाइट्रोजन का उपयोग

चर्चा में क्यों?

- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (Guru Gobind Singh Indraprastha University- GGU) के जैव प्रौद्योगिकीविदों ने भारत में चावल की प्रचलित किस्मों में नाइट्रोजन का उपयोग करने की उनकी क्षमता में व्यापक अंतर पाया है।
- इससे ऐसी नई किस्मों का विकास हो सकता है जो कम नाइट्रोजन का उपयोग करती हैं और अधिक उपज देती हैं, जिससे आयातित उर्वरकों पर लागत कम होती है तथा नाइट्रोजन से जुड़े प्रदूषण में कमी आती है।

नाइट्रोजन (N)	
द्वारा खोजा गया	वर्ष 1772 में डैनियल रदरफोर्ड
प्रतीक	N
समूह	15
आवर्त	2
ब्लॉक	p
परमाणु संख्या	7
परमाणु द्रव्यमान	14
अवस्था	गैसीय
इलेक्ट्रॉन विन्यास	[He] $2s^2 2p^3$
प्रमुख यौगिक	नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) डाइ-नाइट्रोजन (N_2) अमोनिया (NH_3) नाइट्रेट (NO_3) नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड

नाइट्रोजन प्रदूषण के बारे में:

- यह पर्यावरण में नाइट्रोजन यौगिकों की मुख्य रूप से नदियों और झीलों जैसे जल निकायों में अत्यधिक उपस्थिति को संदर्भित करता है।
- **स्रोत:**
  - कृषि गतिविधियाँ
  - औद्योगिक प्रक्रियाएँ
  - पशुपालन
  - बायोमास जलाना
- **प्रभाव:**
  - अतिरिक्त नाइट्रोजन जलीय पौधों के लिये पोषक उर्वरक के रूप में कार्य करता है, जिससे शैवाल और अन्य जलीय वनस्पतियों की अत्यधिक वृद्धि होती है। इस घटना को सुपोषण के रूप में जाना जाता है जो ऑक्सीजन-रहित क्षेत्र (मृत क्षेत्र) बनाता है।
  - वायुमंडल में उत्सर्जित नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) से समतापमंडलीय ओज़ोन परत का क्षरण हो सकता है, जो पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी (UV) विकिरण से बचाती है।
  - इससे क्षोभमंडलीय ओज़ोन परत का निर्माण भी होता है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियाँ होती हैं।

- **सरकारी पहल:**
  - भारत स्टेज (Bharat Stage VI) उत्सर्जन मानक
  - पोषक तत्त्व आधारित सब्सिडी (Nutrient-Based Subsidy- NBS)
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड
  - नैनो यूरिया

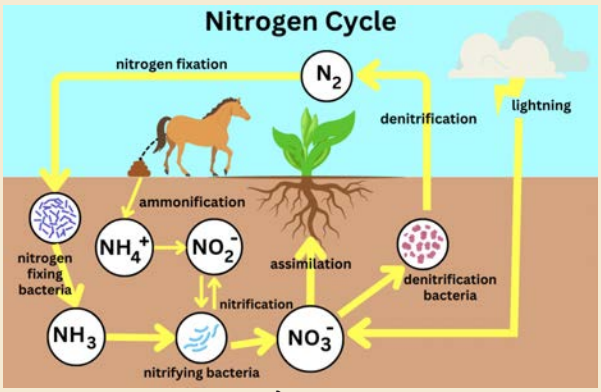

नाइट्रोजन चक्र

पृथ्वी का टर्मिनेटर

चर्चा में क्यों ?

NASA ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से ली गई पृथ्वी के टर्मिनेटर की तस्वीर साझा की है। पृथ्वी से लगभग 267 मील ऊपर से ली गई यह तस्वीर दिन और रात को अलग करने वाली पतली रेखा को दिखाती है।

पृथ्वी का टर्मिनेटर

ISS का परिचय

- यह 20 नवंबर, 1998 को प्रक्षेपित किया गया अंतरिक्ष में सबसे बड़ा मानव निर्मित पिंड है और अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के लिये आवास के रूप में कार्य करता है।
- ISS एक संयुक्त परियोजना है जिसमें पाँच प्रतिभागी अंतरिक्ष एजेंसियाँ शामिल हैं: नासा (संयुक्त राज्य अमेरिका), रोस्कोस्मोस (रूस), JAXA (जापान), ESA (यूरोप), और CSA (कनाडा)।
- **कक्षा (Orbit):** अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर कक्षा में है।
- **गति (Speed):** यह पृथ्वी के चारों ओर लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है। इसका अर्थ है कि यह लगभग हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा करता है।

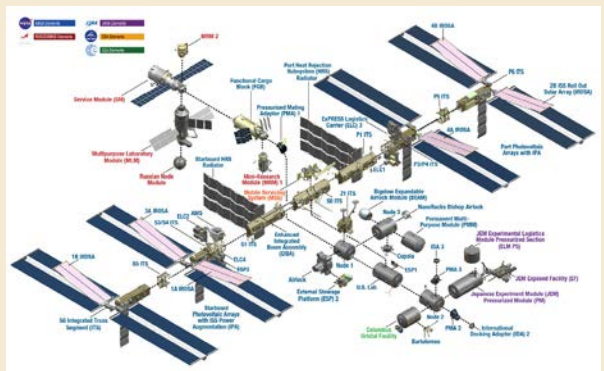

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)

नोट:

- पृथ्वी का टर्मिनेटर वह रेखा है जो दिन और रात को अलग करती है।
- इसे ग्रे लाइन एवं ट्वाइलाइट ज़ोन भी कहा जाता है।

मित्र शक्ति 2024

चर्चा में क्यों ?

भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति का 10वाँ संस्करण श्रीलंका के मदुरू ओया में शुरू हुआ।

अभ्यास के बारे में:

- भारतीय दल का प्रतिनिधित्व राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य सेनाओं और सेवाओं के कार्मिक कर रहे हैं।
- श्रीलंकाई दल का प्रतिनिधित्व श्रीलंकाई सेना की गजबा रेजिमेंट के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है।

- पिछला संस्करण नवंबर 2023 में पुणे में आयोजित किया गया था।
- **उद्देश्य:** उप-परंपरागत परिदृश्य में उग्रवाद विरोधी अभियान चलाने के लिये दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना।

श्रीलंका के बारे में:

- **स्वतंत्रता:** 1948 में ब्रिटिश शासन से
- **राजधानी:** कोलंबो, श्री जयवर्द्धनेपुरा कोट्टे
- **मुद्रा:** श्रीलंकाई रुपया
- **भाषा:** सिंहली, तमिल
- **राष्ट्रपति:** रानिल विक्रमसिंघे
- **प्रधानमंत्री:** दिनेश गुणवर्द्धने
- **समुद्री सीमा:** पाक जलडमरूमध्य

श्री लंका का मानचित्र

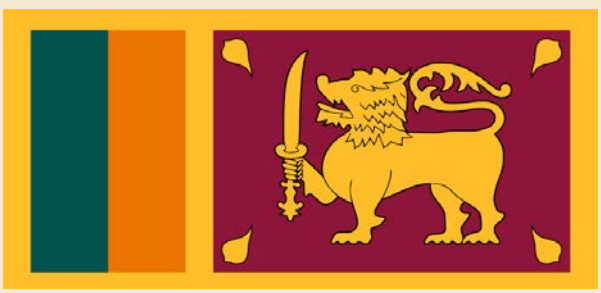

श्री लंका का झंडा

ग्लाइड बम 'गौरव'

चर्चा में क्यों ?

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organization- DRDO) ने भारतीय वायु सेना (IAF) के Su-30 MKI विमान से लंबी दूरी के ग्लाइड बम (LRGB) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

बम के बारे में

- **प्रकार:** 1,000 किलोग्राम वर्ग का वायु-प्रक्षेपित ग्लाइड बम।
- **क्षमताएँ:** लंबी दूरी के लक्ष्य पर हमला करने के लिये डिज़ाइन किया गया।
- **विकास:** हैदराबाद में रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित।
- परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया।
- पहले परीक्षण में गौरव (GAURAV) ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर लक्ष्य साधा।

लंबी दूरी का ग्लाइड बम (LRGB)

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

- **स्थापना:** वर्ष 1958
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **अध्यक्ष:** समीर वी कामत
- यह भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है।
- **उद्देश्य:** रक्षा अनुप्रयोगों के लिये प्रौद्योगिकी और उपकरण विकसित करना तथा उनका उत्पादन करना।
- **प्रमुख क्षेत्र:** इसमें मिसाइल प्रणाली, रडार प्रौद्योगिकी, नौसेना प्रणाली, लड़ाकू वाहन शामिल हैं।

डीआरडीओ का लोगो

- **उल्लेखनीय परियोजनाएँ**
  - **अग्नि:** अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल
  - **पृथ्वी:** सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल
  - **पिनाका:** मल्टी बैरल रॉकेट लांचर
  - **आकाश:** वायु रक्षा प्रणाली
  - **ब्रह्मोस:** सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल
  - **NAG:** एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल

EOS-08 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

चर्चा में क्यों ?

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV)-D3 के ज़रिये EOS-08 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को प्रक्षेपित किया।
- SSLV-D3 अपनी तीसरी और अंतिम विकास उड़ान में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से प्रक्षेपित हुआ।

नोट:

- स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (SSLV) एक तीन-चरणीय लॉन्च व्हीकल है।
- पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों में पृथ्वी की भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रणालियों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीक लगी होती है, जो सूर्य-समकालिक कक्षा (sun-synchronous orbit) में प्रयोग की जाती है।

SLV-D3-EOS-08 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के बारे में

- पृथ्वी अवलोकन उपग्रह पृथ्वी की भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रणालियों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिये सुदूर संवेदन तकनीक से लैस हैं।
- कई पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों को सूर्य-समकालिक कक्षा में नियोजित किया गया है।

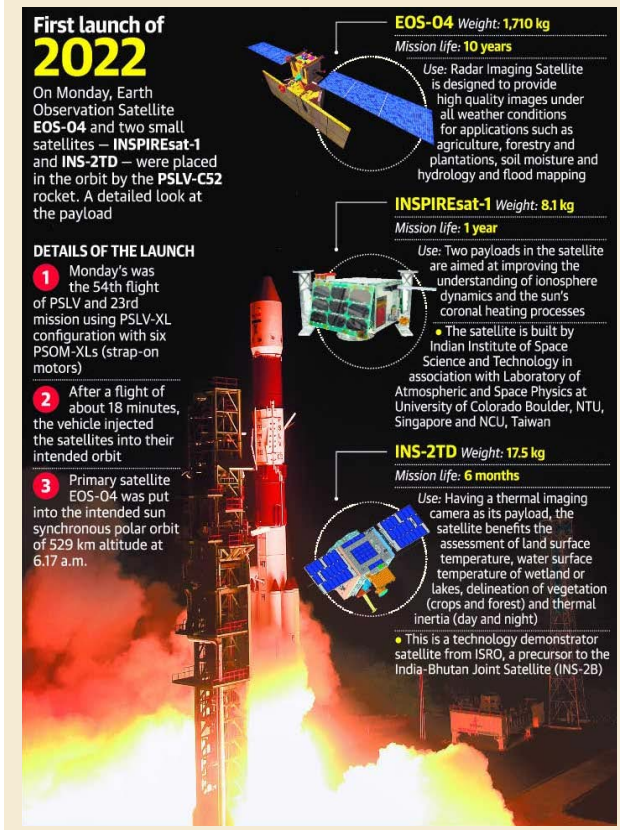

इसरो द्वारा प्रक्षेपित उपग्रह

राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (NPSS)

चर्चा में क्यों ?

- केंद्र सरकार ने AI-आधारित राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (NPSS) शुरू की है, जो किसानों को अपने फोन का उपयोग करके कीटों को नियंत्रित करने के लिये कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से जुड़ने में मदद करेगी।
- इसका उद्देश्य कीटनाशक खुदरा विक्रेताओं पर किसानों की निर्भरता को कम करना तथा कीट प्रबंधन के प्रति उनके बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है।

नोट:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में

यह कंप्यूटर या कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट की वह क्षमता है जो ऐसे कार्य करने में सक्षम होती है जिन्हें आमतौर पर मनुष्य द्वारा किया जाता है क्योंकि इसके लिये मानवीय बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती है।

एमपॉक्स (Mpox) प्रकोप

चर्चा में क्यों ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने एमपॉक्स (Mpox) को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHEIC) घोषित किया है, जिसके अनुसार वर्ष 2022 से वैश्विक स्तर पर 99,000 से अधिक मामले सामने आएंगे।

वायरस के बारे में

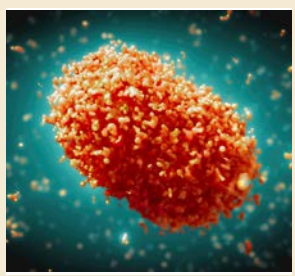

एमपॉक्स वायरस

- इसे पहले मंकीपॉक्स वायरस के नाम से जाना जाता था, इसकी पहली बार पहचान 1958 में प्रयोगशाला में बंदरों में हुई थी, जिसके कारण इसका मूल नाम मंकीपॉक्स पड़ा।
- यह एक जूनोटिक वायरस है जो पोक्सविरिडे परिवार के ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस से संबंधित है।

ज़ूनोटिक बीमारियाँ क्या हैं ?

- **ज़ूनोसिस** (बहुवचन: जूनोसिस) शब्द 1880 में रूडोल्फ विर्चो द्वारा उन बीमारियों का वर्णन करने के लिए पेश किया गया था जो मनुष्यों और जानवरों के बीच साझा होती हैं।
- WHO की 1959 की परिभाषा के अनुसार, **ज़ूनोसिस** वे बीमारियाँ और संक्रमण हैं जो प्राकृतिक रूप से कशेरुकी जानवरों और मनुष्यों के बीच संचारित होती हैं।
- इन्हें बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या असामान्य एजेंटों द्वारा उत्पन्न किया जा सकता है।

संचार के प्रकार

- **सहयोगी:** पालतू जानवरों के माध्यम से
- **आर्थिक:** कृषि के माध्यम से
- **शिकारी:** शिकार, मांस काटने, या जंगली खेल का उपभोग
- **अनुसंधान:** अनुसंधान में जानवरों के संपर्क के माध्यम से
- **बैक्टीरियल ज़ूनोसिस:** जैसे एंथ्रेक्स, ब्रुसेलोसिस, प्लेग, लेप्टोस्पायरोसिस, साल्मोनेलोसिस, लाइम रोग
- **वायरल ज़ूनोसिस:** जैसे रेबीज, आर्बोवायरस संक्रमण, KFD, पीला बुखार, इन्फ्लुएंजा
- **रिकेट्सियल ज़ूनोसिस:** जैसे मुराइन टाइफस, टिक टाइफस, स्क्रब टाइफस, Q-बुखार
- **प्रोटोजोअल ज़ूनोसिस:** जैसे टॉक्सोप्लाजमोसिस, ट्रिपैनोसोमियासिस, लिशमैनियासिस
- **हेलमिंथिक ज़ूनोसिस:** जैसे एकिनोकोकोसिस (हाइडैटिड रोग), टीनियासिस
- **फंगल ज़ूनोसिस:** जैसे डीप मायकोसिस - हिस्टोप्लाजमोसिस, क्रिप्टोकोकोसिस
- **एक्टोपारासाइट्स:** जैसे स्कैबीज़, मायायसिस

मंगल ग्रह पर तरल जल

चर्चा में क्यों ?

- वैज्ञानिकों ने पहली बार मंगल ग्रह पर तरल जल (Liquid Water) की खोज की है, जिससे पता चलता है कि ग्रह की चट्टानी बाहरी परत में समुद्र जितना जल हो सकता है।
- हालाँकि मंगल ग्रह के ध्रुवों पर जल की बर्फ की उपस्थिति के संबंध में काफी समय से जानकारी है, फिर भी यह खोज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मंगल ग्रह

- यह हमारे सौरमंडल में सूर्य से चौथा ग्रह है।
- इसकी सतह पर आयरन ऑक्साइड (जंग) के कारण लाल रंग की उपस्थिति के कारण इसे अक्सर "Red Planet अर्थात् लाल ग्रह" के रूप में जाना जाता है।
- एक परिक्रमा पूरी करने में इसे 687 पृथ्वी दिन लगते हैं।
- **संरचना:** कार्बन डाइऑक्साइड (95.3%), नाइट्रोजन (2.7%) और आर्गन (1.6%)।
- इसमें सौरमंडल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी, ओलंपस मॉन्स और सबसे गहरी घाटी, वैलेस मेरिनेरिस है।

मंगल ग्रह

- इसके दो छोटे अनियमित आकार के चंद्रमा हैं जिनका नाम फोबोस और डीमोस है।
- मार्स इनसाइट लैंडर, जो वर्ष 2018 से 2022 तक संचालित हुआ, ने ग्रह की भूकंपीय गतिविधि पर महत्त्वपूर्ण डेटा प्रदान किया।

चंद्रयान-3 से प्राप्त पहली खोज

चर्चा में क्यों?

नेचर में प्रकाशित चंद्रयान-3 के पहले वैज्ञानिक परिणाम इस परिकल्पना की पुष्टि करते हैं कि चंद्रमा कभी पिघले हुए मैग्मा महासागर से ढका हुआ था।

ये निष्कर्ष अगस्त-सितंबर 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अपने दो सप्ताह के मिशन के दौरान प्रज्ञान रोवर द्वारा किये गए चंद्र मृदा के 23 रासायनिक मापों से आए हैं, जो चंद्रमा के प्रारंभिक निर्माण के बारे में नई जानकारी प्रदान करते हैं।

मैग्मा महासागर

- यह चट्टान की एक विशाल, पिघली हुई परत है जिसने चंद्रमा के निर्माण के बाद इसकी पूरी सतह को ढक लिया।
- समय के साथ, यह पिघली हुई चट्टान ठंडी होकर जम गई, जिससे चंद्रमा के भीतर अलग-अलग परतें बन गईं।
  - हल्के खनिज सतह पर तैरने लगे, जिससे चंद्रमा की पपड़ी बन गई, जबकि भारी खनिज नीचे जाकर मेंटल बन गए।

चंद्रयान-3

- यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित एक भारतीय चंद्र अन्वेषण मिशन है।
- यह भारत का तीसरा चंद्र मिशन है और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने का दूसरा प्रयास है।
- **उद्देश्य:** चंद्र सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन करना, चंद्रमा को पार करने की रोवर की क्षमता का प्रदर्शन करना तथा इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोग करना।
- इसे 14 जुलाई, 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था।
- यह 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा।
- यह तीन घटकों वाला मिशन है जिसमें एक प्रोपल्शन मॉड्यूल, एक लैंडर मॉड्यूल (विक्रम) और एक रोवर मॉड्यूल (प्रज्ञान) शामिल है।

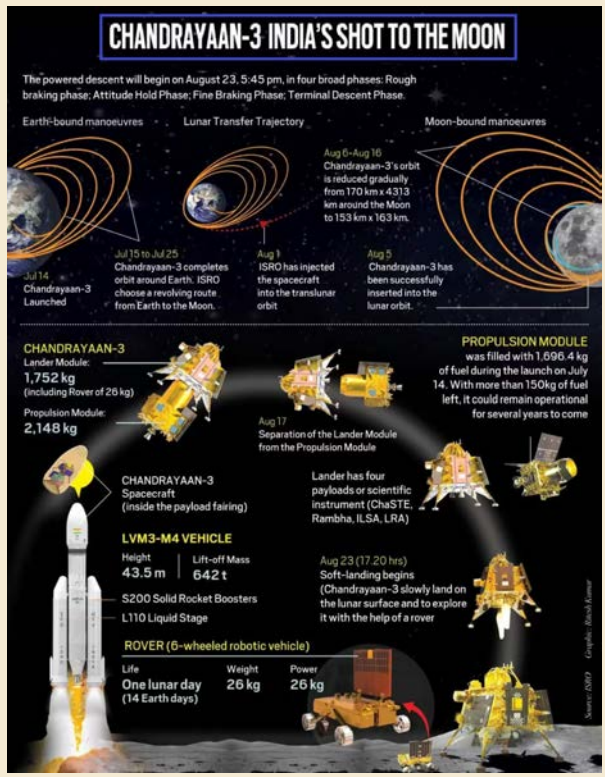

चंद्रयान-3

भारत के KAPS-4 परमाणु संयंत्र ने पूर्ण क्षमता से परिचालन शुरू किया

चर्चा में क्यों?

गुजरात में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KAPS) ने अपने दूसरे 700 मेगावाट रिएक्टर, KAPS-4 को सफलतापूर्वक पूर्ण परिचालन क्षमता पर ला दिया है।

काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KAPS)

- यह गुजरात के तापी ज़िले में व्यारा शहर के पास एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है।
- इसे भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (NPCIL) द्वारा संचालित किया जाता है।
- **भूमिका:** परमाणु ऊर्जा के माध्यम द्वारा विद्युत उत्पादन।
- भारत इसी डिज़ाइन के 700 मेगावाट के 14 और परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों का निर्माण कर रहा है, जिनके वर्ष 2031-32 तक क्रमशः प्रचालन शुरू होने की आशा है।

न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)

- **स्थापना:** वर्ष 1987
- **मुख्यालय:** वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई
- **मिशन:** परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी विकसित करना और देश की बढ़ती विद्युत संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु विद्युत ऊर्जा के एक सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल तथा आर्थिक रूप से व्यवहार्य स्रोत के रूप में परमाणु ऊर्जा का उत्पादन करना।

एनपीसीआईएल का लोगो

- यह परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।
- **अध्यक्ष:** भुवन चंद्र पाठक
- **परिचालन इकाइयाँ**
  - तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन (TAPS), महाराष्ट्र
  - राजस्थान परमाणु ऊर्जा स्टेशन (RAPS), राजस्थान
  - मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन (MAPS), तमिलनाडु
  - नरोरा परमाणु ऊर्जा स्टेशन (NAPS), उत्तर प्रदेश
  - काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KAPS), गुजरात
  - कैगा जनरेटिंग स्टेशन (KGS), कर्नाटक
  - कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KKNPS), तमिलनाडु
- यह पूरे भारत में परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन एवं क्रियान्वयन करता है, जिसमें 24 रिएक्टर 8,180 मेगावाट विद्युत उत्पादन करते हैं तथा 8 और निर्माणाधीन हैं।

ह्यूमनॉइड स्कल

चर्चा में क्यों ?

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian Space Research Organisation- ISRO) की तिरुवनंतपुरम इकाई ने गगनयान मिशन पर ह्यूमनॉइड खोपड़ी/ह्यूमनॉइड स्कल के डिज़ाइन को अंतिम रूप दे दिया।
- दबाव और कंपन को झेलने के लिये उच्च शक्ति वाले एल्युमीनियम मिश्र धातु से निर्मित व्योममित्र को अंतरिक्ष यान की सुरक्षा का परीक्षण करने के लिये वर्ष 2025 के अंतरिक्ष यात्री प्रक्षेपण से पहले अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।
- व्योममित्र मानव शरीर के ऊपरी भाग जैसा होगा, जिसमें गतिशील भुजाएँ, चेहरा और गर्दन होगी, जो मानव जैसे कार्य करने तथा अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों का आकलन करने के लिये सेंसर से लैस होगा।

गगनयान मिशन के बारे में

- गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का एक मिशन है।
- गगनयान कार्यक्रम के अंतर्गत
  - तीन उड़ानें कक्षा में भेजी जाएंगी।
  - दो मानवरहित उड़ानें और एक मानव अंतरिक्ष उड़ान होगी।
  - गगनयान प्रणाली मॉड्यूल, जिसे ऑर्बिटल मॉड्यूल कहा जाता है, में एक महिला सहित तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे।
- यह पृथ्वी से 300-400 किमी. की ऊँचाई पर निम्न-पृथ्वी-कक्षा में 5-7 दिनों तक पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।
- GSLV Mk III, जिसे LVM-3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) भी कहा जाता है, तीन चरणों वाला भारी लिफ्ट प्रक्षेपण यान है, जिसका उपयोग गगनयान को प्रक्षेपित करने के लिये किया जाएगा क्योंकि इसमें आवश्यक पेलोड क्षमता है।
- इससे देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी तथा युवाओं को प्रेरित करने में सहायता मिलेगी।
- इससे औद्योगिक विकास में सुधार और सामाजिक लाभ के लिये प्रौद्योगिकी के विकास में मदद मिलेगी।
- इससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

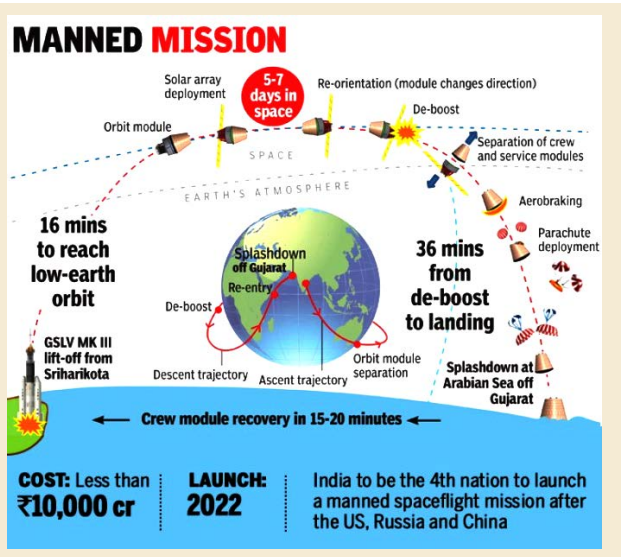

भारतीय नौसेना

जहाज़ (INS) अरिघात (S3)

चर्चा में क्यों ?

- **भारत की दूसरी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी,** INS **अरिघात** को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल किया गया।
- यह पनडुब्बी INS अरिहंत का उन्नत संस्करण है। INS अरिघाट K-15 बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता 750 किलोमीटर है, जो भारतीय नौसेना के शस्त्रागार को और मज़बूत बनाती है।

आईएनएस अरिहंत (S2) के बारे में

- इसका निर्माण वर्ष 2016 में शुरू हुआ था।
- यह **भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल परमाणु पनडुब्बी (SSMN) है,** जिसे पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) के रूप में प्रक्षेपित किया गया है।
- इसमें पनडुब्बियों से परमाणु हथियार लॉन्च करने की क्षमता है।

भारतीय नौसेना के बारे में

- इसकी आधिकारिक स्थापना 26 जनवरी, 1950 को हुई थी, हालाँकि इसकी उत्पत्ति औपनिवेशिक युग में रॉयल इंडियन नेवी के हिस्से के रूप में हुई थी।
- भारत में नौसेना दिवस प्रतिवर्ष 4 दिसंबर को मनाया जाता है।
- इसका मिशन देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना, हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना तथा आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता प्रदान करना है।
- इसका नेतृत्व नौसेना प्रमुख (CNS) करते हैं। **एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी** वर्तमान CNS हैं।
- इसे तीन कमानों में विभाजित किया गया है: पश्चिमी नौसेना कमान (मुंबई), पूर्वी नौसेना कमान (विशाखापत्तनम) और दक्षिणी नौसेना कमान (कोच्चि)।
  - पश्चिमी और पूर्वी नौसेना कमान 'ऑपरेशनल कमान' हैं तथा क्रमशः अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी में संचालन पर नियंत्रण रखती हैं। दक्षिणी कमान प्रशिक्षण कमान है।
- **बेड़ा:** पश्चिमी बेड़ा मुंबई में और पूर्वी बेड़ा विशाखापत्तनम में।

भारतीय नौसेना का लोगो

6 विश्व मामले

हिंद-प्रशांत आर्थिक ढाँचा (Indo-Pacific Economic Framework- IPEF)

चर्चा में क्यों ?

- भारत को हिंद-प्रशांत आर्थिक ढाँचा (IPEF) के तहत आपूर्ति श्रृंखला परिषद का उपाध्यक्ष चुना गया है।
- भारत और 13 अन्य IPEF भागीदारों ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर IPEF के समझौते के तहत तीन निकायों की स्थापना की है।

IPEF के बारे में:

- **लॉन्च:** मई 2022
- यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों के सहयोग से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा शुरू की गई एक रणनीतिक आर्थिक पहल है।
- **सदस्य:** 14 देश- ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, न्यूज़ीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, वियतनाम।

भारत और वियतनाम

चर्चा में क्यों ?

- भारत और वियतनाम ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने के लिये अपने रक्षा सहयोग को मज़बूत करने पर सहमति जताई।
- उन्होंने क्षेत्र में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों के जवाब में दक्षिण चीन सागर में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के प्रयासों को तेज़ करने का भी संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वियतनाम के प्रधान मंत्री फाम मिन्ह चिन्ह

हिंद-प्रशांत क्षेत्र के बारे में

- यह शब्द उस विशाल भौगोलिक क्षेत्र को संदर्भित करने के लिये उपयोग किया जाता है जो हिंद महासागर, पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर को शामिल करता है, जिसमें उन्हें जोड़ने वाले समुद्र एवं जलडमरूमध्य शामिल हैं।
- यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अफ्रीका के पूर्वी तट से लेकर अमेरिका के पश्चिमी तट तक और आर्कटिक से अंटार्कटिक तक फैला हुआ है।

वियतनाम

- **राजधानी:** हनोई
- **भाषा:** वियतनामी
- **मुद्रा:** वियतनामी डोंग
- **प्रधानमंत्री:** फाम मिन्ह चिह्न
- **राष्ट्रपति:** टो लैम

वियतनाम का मानचित्र

तीसरा वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- भारत तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा।
- यह पिछले शिखर सम्मेलनों में विश्व को प्रभावित करने वाली विभिन्न जटिल चुनौतियों, जैसे- संघर्ष, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा संकट तथा जलवायु परिवर्तन पर हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने का एक मंच है।
- शिखर सम्मेलन का विषय **"एक सतत भविष्य के लिये सशक्त वैश्विक दक्षिण"** है।

भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन (इंडिया-अफ्रीका बिज़नेस कॉन्क्लेव)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का 19वाँ भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- इसका उद्देश्य अफ्रीका के विकास के लिये एक साधन के रूप में कार्य करना है और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मूल्य श्रृंखला एकीकरण में भारत-अफ्रीका साझेदारी की भूमिका पर प्रकाश डालना है।
- पहला सम्मेलन मार्च 2005 में आयोजित किया गया था।

सम्मेलन के बारे में

- **मुख्य अतिथि:** श्री जगदीप धनखड़ (भारत के उपराष्ट्रपति)
- सम्मेलन में कृषि खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा, डिजिटल भागीदारी, वित्तीय भागीदारी, स्वास्थ्य सेवा फार्मास्यूटिकल्स, बुनियादी ढाँचे, विद्युत और ऊर्जा, गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र, कौशल क्षमता विकास और अन्य क्षेत्रों में साझेदारी और उभरते अवसरों के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अफ्रीका के बारे में

- यह दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है, जो पृथ्वी की कुल भूमि सतह का लगभग पाँचवाँ हिस्सा कवर करता है।
- यह महाद्वीप पश्चिम में अटलांटिक महासागर, उत्तर में भूमध्य सागर, पूर्व में लाल सागर और हिंद महासागर तथा दक्षिण में अटलांटिक और हिंद महासागरों के मिश्रित जल से घिरा है।
- अधिकांश अफ्रीकी देशों पर 19वीं और 20वीं शताब्दी के बीच यूरोपीय शक्तियों का उपनिवेश था, जिन्हें 20वीं शताब्दी के मध्य में स्वतंत्रता मिली।
- इसमें 54 मान्यता प्राप्त संप्रभु राज्य शामिल हैं और यहाँ 1250-3000 मूल भाषाएँ बोली जाती हैं।
- यह अपने अद्वितीय वन्य जीवन के लिये जाना जाता है, जिसमें "बिग फाइव" (शेर, हाथी, भैंस, तेंदुआ और गैंडा) शामिल हैं, यह विश्व के कुछ सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों का पर्यावास है।

अफ्रीका का मानचित्र

मलेशिया की ऑरंगुटान कूटनीति

चर्चा में क्यों ?

संरक्षणवादियों की आलोचना का सामना करने के बाद मलेशिया ने पाम ऑयल आयात करने वाले देशों को लुप्तप्राय ऑरंगुटान उपहार में देने की अपनी योजना को पलट दिया है।

ऑरंगुटान कूटनीति

- यह मलेशिया के उस प्रस्ताव से उत्पन्न हुआ है जिसमें उसने गंभीर रूप से लुप्तप्राय ओरांगउटान को उन देशों को राजनयिक उपहार के रूप में देने का प्रस्ताव रखा था जो उसके पाम ऑयल का आयात करते हैं।
- यह नीति चीन की पांडा कूटनीति (China's Panda Diplomacy) से प्रेरित थी- जिसमें कूटनीति और वन्यजीव संरक्षण के साधन के रूप में चीन से अन्य देशों में पांडा भेजने की प्रथा थी।

ऑरंगुटान

- वे बोर्नियो और सुमात्रा के मूल निवासी बुद्धिमान महान वानर हैं।
- वे अपने लाल-भूरे बालों और लंबी भुजाओं के लिये जाने जाते हैं।
- वे सबसे बड़े वृक्षीय स्तनधारी हैं, जो अपना अधिकांश जीवन वृक्षों पर व्यतीत करते हैं।
- **IUCN स्थिति:** गंभीर रूप से लुप्तप्राय

आरंगुटान

मलेशिया का स्थान

मलेशिया

- यह मलय प्रायद्वीप और बोर्नियो द्वीप पर स्थित एक दक्षिणपूर्व एशियाई देश है।
- **सीमाएँ:** उत्तर में थाईलैंड, दक्षिण में इंडोनेशिया और पूर्व में ब्रुनेई। दक्षिण चीन सागर प्रायद्वीपीय मलेशिया को बोर्नियो पर पूर्वी मलेशिया से अलग करता है।
- **स्वतंत्रता :** वर्ष 1957
- **राज्य गठन:** वर्ष 1963
- **राजधानी:** कुआलालंपुर (आधिकारिक राजधानी), पुत्रजया (प्रशासनिक राजधानी)
- **मुद्रा:** मलेशियाई रिंगित (MYR)
- **आधिकारिक भाषा:** मलय
- **सरकार:** संघीय संवैधानिक राजतंत्र
- **सम्राट:** सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर
- **प्रधानमंत्री:** अनवर इब्राहिम

प्रधानमंत्री की पोलैंड यात्रा

चर्चा में क्यों ?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वारसॉ में अपने पोलिश समकक्ष डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जहाँ दोनों पक्ष अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने पर सहमत हुए।
- दोनों देशों ने भारत-पोलैंड राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगाँठ पर वर्ष 2024 से 2028 तक द्विपक्षीय सहयोग को दिशा देने के लिये पाँच वर्षीय कार्य योजना भी तैयार की।

भारत-पोलैंड कार्य योजना

- दोनों पक्षों ने एक पंचवर्षीय कार्य योजना तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने पर सहमति व्यक्त की, जो वर्ष 2024-2028 में द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करेगी।

- **प्राथमिकताएँ**
  - राजनीतिक वार्ता और सुरक्षा सहयोग
  - व्यापार और निवेश
  - जलवायु, ऊर्जा, खनन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी
  - परिवहन और संपर्क
  - साइबर सुरक्षा
  - स्वास्थ्य
  - लोगों के बीच संबंध और सांस्कृतिक सहयोग
  - भारत-यूरोपीय संघ सहयोग

पोलैंड

- **स्थान:** मध्य यूरोप
- **सीमाएँ:** पश्चिम में जर्मनी, दक्षिण में चेक गणराज्य और स्लोवाकिया, पूर्व में यूक्रेन एवं बेलारूस तथा उत्तर में बाल्टिक सागर।
- **स्वतंत्रता:** 11 नवंबर, 1918
- **राजधानी:** वारसॉ
- **सरकार का प्रकार:** संसदीय गणराज्य
- **राष्ट्रपति:** आंद्रेज डूडा
- **प्रधानमंत्री:** डोनाल्ड टस्क
- **यूरोपीय संघ:** वर्ष 2004 से सदस्य
- **नाटो (NATO) :** वर्ष 1999 से सदस्य
- **मुद्रा:** पोलिश ज़्लोटी
- **आधिकारिक भाषा:** पोलिश

पोलैंड का स्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क

प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा

चर्चा में क्यों ?

- कीव की ऐतिहासिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद यूक्रेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय नेता बन गए।
- राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ अपनी बैठक के दौरान मोदी ने शांति लाने में सहायता करने के लिये एक मित्र के रूप में भारत के समर्थन का आश्वासन दिया, जिससे शांति मध्यस्थता में भारत की भागीदारी की उम्मीदें बढ़ गईं है।
- भारत ने यूक्रेन को चार भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित एंड मैत्री (BHISHM) क्यूब्स दान किये।

यात्रा के बारे में

- नरेंद्र मोदी ने यूरोप की शांति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में भारत को शामिल करने की पहल की है।
- वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण होने वाले वैश्विक भू-राजनीतिक बदलावों के बीच भारत की रणनीतिक नम्यता का विस्तार करना चाहते हैं।
- दोनों नेताओं ने भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी से रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने की दिशा में कार्य करने में आपसी रुचि व्यक्त की है।
- **परिणाम:** चार समझौतों पर हस्ताक्षर
  - उच्च क्षमता विकास परियोजनाओं के लिये भारत द्वारा मानवीय सहायता

- कृषि और खाद्य उद्योग में सहयोग
- दवा की गुणवत्ता और विनियमन पर समझौता
- सांस्कृतिक सहयोग

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मिले।

भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित एंड मैत्री (BHISHM)

- ये भारत द्वारा विकसित अभिनव मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ हैं, जो विशेष रूप से संघर्ष क्षेत्रों और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिये विकसित की गई हैं।
- यह प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मानवीय सहायता के रूप में विकासशील देशों को महत्त्वपूर्ण चिकित्सा संसाधनों की आपूर्ति करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ**
  - प्रत्येक क्यूब 15 इंच का है और इसका वज़न 20 किलोग्राम तक है, जिससे इसे व्यक्ति आसानी से ले जा सकता है।
  - इन्हें वायु, समुद्र, ज़मीन और ड्रोन के ज़रिये ले जाया जा सकता है।
  - प्रत्येक क्यूब लगभग 200 आपातकालीन मामलों को संभाल सकता है, जिसमें आघात, जलन, फ्रैक्चर और शॉक शामिल हैं। यह बुनियादी सर्जरी का समर्थन करता है, जिसमें प्रतिदिन 10-15 सर्जरी की क्षमता है।
  - वे सीमित अवधि के लिये अपनी स्वयं की बिजली और ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, जिससे चुनौतीपूर्ण वातावरण में कार्यक्षमता सुनिश्चित होती है।
  - 36 छोटे क्यूब्स एक मदर क्यूब बनाते हैं और दो मदर क्यूब्स मिलकर एक भीष्म (BHISHM) क्यूब बनाते हैं।
  - वे 180 भाषाओं का समर्थन करने वाले एक समर्पित ऐप और टैबलेट से लैस हैं, जो प्रभावी संचालन सुनिश्चित करते हैं।
  - इसमें वास्तविक समय की निगरानी और समन्वय के लिये AI एवं डेटा एनालिटिक्स शामिल हैं।

यूक्रेन

- **स्थान:** पूर्वी यूरोप
- **सीमाएँ:** उत्तर में बेलारूस, पूर्व और उत्तर-पूर्व में रूस, पश्चिम में पोलैंड, स्लोवाकिया तथा हंगरी एवं दक्षिण-पश्चिम में रोमानिया व मोल्दोवा। इसकी दक्षिण में काला सागर के साथ एक तटरेखा भी है।
- **स्वतंत्रता:** सोवियत संघ से 24 अगस्त, 1991
- **राजधानी:** कीव
- यह क्षेत्रफल के हिसाब से यूरोप का सबसे बड़ा देश है।
- इसे अपनी उपजाऊ मिट्टी के कारण " ब्रेडबास्केट ऑफ यूरोप" के रूप में जाना जाता है।
- **आधिकारिक भाषा:** यूक्रेनी
- **सरकार:** एकात्मक अर्द्ध-राष्ट्रपति गणराज्य
- **राष्ट्रपति:** वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की
- **प्रधानमंत्री:** डेनिस श्म्यहाल
- **मुद्रा:** रिव्निया
- **रूसो-यूक्रेनी युद्ध:** 27 फरवरी, 2014 से

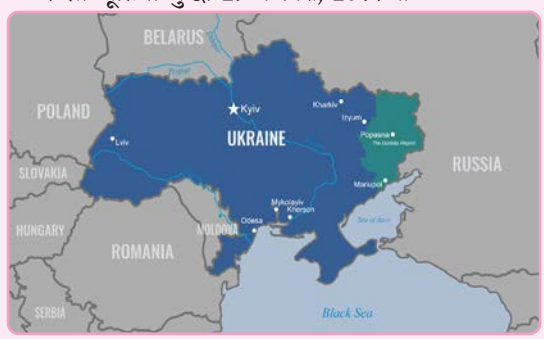

यूक्रेन का स्थान

7 विविध

महत्वपूर्ण दिन

विश्व व्यापी वेब दिवस 2024

- यह दिवस प्रतिवर्ष 1 अगस्त को वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) के निर्माण और मानव कनेक्टिविटी पर इसके गहन प्रभाव की याद में मनाया जाता है।
- यह दिन टिम बर्नर्स-ली के आविष्कार का सम्मान करता है, जो एक अंग्रेज़ वैज्ञानिक थे, जिन्होंने वर्ष 1989 में यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (CERN) में काम करते हुए WWW की अवधारणा बनाई और उसे विकसित किया।

विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 1 अगस्त को मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य फेफड़ों के कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान के बारे में लोगों को जागरूक करना तथा शिक्षित करना है।
- वर्ष 2024 में इस दिवस का विषय है देखभाल की कमी को दूर करें: हर किसी को कैंसर देखभाल तक पहुँच का अधिकार है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

- यह प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है।
- **स्थापना:** इसका उद्घाटन पहली बार वर्ष 1905 के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में वर्ष 2015 में चेन्नई में किया गया था।
- **उद्देश्य:** भारत की सांस्कृतिक विरासत में हथकरघा बुनकरों के योगदान को बढ़ावा देना।

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 8 अगस्त को मनाया जाता है।
- इसे अगस्त क्रांति दिवस भी कहा जाता है।
- वर्ष 2024 में भारत अपनी 82वीं वर्ष गाँठ मनाएगा।
- **पृष्ठभूमि:**
  - मार्च 1942 में क्रिप्स मिशन की विफलता से ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष बढ़ गया।
  - महात्मा गांधी का "करो या मरो" भाषण आंदोलन का नारा बन गया।
  - इसका मुख्य उद्देश्य भारत से ब्रिटिश सेनाओं की तत्काल वापसी था।
- **प्रमुख नेता:** महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, बीजू पटनायक, अरुणा आसफ अली, राम मनोहर लोहिया, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी और जय प्रकाश नारायण।
  - **अरुणा आसफ अली**- स्वतंत्रता संग्राम की '**ग्रैंड ओल्ड लेडी**' के रूप में विख्यात, वह आंदोलन के दौरान मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में भारतीय ध्वज फहराने के लिये प्रसिद्ध हैं।
  - **यूसुफ मेहरअली**- उन्होंने *"भारत छोड़ो"* और *"साइमन वापस जाओ"* के नारे गढ़े।

नागासाकी दिवस 2024

- यह दिवस प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है।
- यह वर्ष 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जापान के नागासाकी पर किये गए विनाशकारी परमाणु बम हमले का प्रतीक है।

घटनाक्रम

- पर्ल हार्बर हमला (7 दिसम्बर, 1941)
- अमेरिका ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की (8 दिसंबर, 1941)
- जापानी विस्तार (1941-1942)
- डूलिटिल छापा (18 अप्रैल, 1942)
- मिडवे की लड़ाई (4-7 जून, 1942)
- ग्वाडलकैनाल अभियान (अगस्त 1942 - फरवरी 1943)
- द्वीप-होपिंग (1943-1945)
- लेयटे खाड़ी का युद्ध (23-26 अक्टूबर, 1944)

- इवो जिमा (19 फरवरी - 26 मार्च, 1945)
- ओकिनावा (1 अप्रैल - 22 जून, 1945)
- पोट्सडैम घोषणा (26 जुलाई, 1945)
- हिरोशिमा बमबारी (6 अगस्त, 1945)
- सोवियत युद्ध की घोषणा (8 अगस्त, 1945)
- नागासाकी बमबारी (9 अगस्त, 1945)
- जापान का आत्मसमर्पण

मुख्य विवरण

- **बम का नाम:** फैट मैन
- **बम का प्रकार:** प्लूटोनियम-आधारित परमाणु बम
- **विमान:** B-29 बमवर्षक जिसका नाम "बॉक्सकार" है, जिसे मेजर चार्ल्स स्वीनी ने चलाया था।

विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2024

- यह दिवस 1982 में संयुक्त राष्ट्र के स्वदेशी आबादी पर कार्य समूह की पहली बैठक की याद में 9 अगस्त को प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
- **स्थापना:** संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने वर्ष 1994 में इस दिवस की घोषणा की थी।
- **थीम 2024:** स्वैच्छिक अलगाव और प्रारंभिक संपर्क में स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना।
- बोलीविया, ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर, भारत, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेज़ुएला सहित विभिन्न देशों के सुदूर वनों में लगभग 200 स्वदेशी समूह रहते हैं।
- माना जाता है कि माशको पिरो पृथ्वी पर सबसे बड़ी संपर्क रहित जनजाति है।
- भारत में आधिकारिक तौर पर "अनुसूचित जनजाति" के रूप में मान्यता प्राप्त 705 जातीय समूह हैं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2024

- यह प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है।
- पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त, 2000 को मनाया गया था।
- **प्रस्तावित:** वर्ष 1998 में पुर्तगाल के लिस्बन में आयोजित युवाओं के लिये ज़िम्मेदार मंत्रियों के विश्व सम्मेलन द्वारा।
- यह युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के साथ-साथ समाज के विकास में उनके योगदान को चिह्नित करने के लिये मनाया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2024 का विषय है **"From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development अर्थात् क्लिक से प्रगति तक: सतत् विकास के लिये युवा डिजिटल मार्ग है।"**

विश्व हाथी दिवस 2024

- हाथियों और उनके आवासों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु यह दिवस हर साल 12 अगस्त को मनाया जाता है।
- विश्व हाथी दिवस 2024 का विषय **"Personifying Prehistoric Beauty, Theological Relevance, and Environmental Importance अर्थात् प्रागैतिहासिक सौंदर्य, धार्मिक प्रासंगिकता और पर्यावरणीय महत्त्व का व्यक्तित्व" है।**

विश्व अंग दान दिवस 2024

- यह दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है।
- यह दिवस अंग दान के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है और लोगों को अंग दाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- वर्ष 2024 में इस दिवस का विषय **"आज किसी की मुस्कान का कारण बनें!** है।"

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

- यह दिवस प्रतिवर्ष 14 अगस्त को मनाया जाता है और इसे विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में भी जाना जाता है।
- इस दिन की स्थापना वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी।
- यह दिन वर्ष 1947 में भारत के विभाजन के दौरान अनुभव की गई अंतहीन पीड़ा और क्षति की मार्मिक याद दिलाता है।
- वर्ष 1947 का विभाजन ब्रिटिश भारत के दो स्वतंत्र राज्यों, भारत और पाकिस्तान में विभाजन को दर्शाता है।

पारसी नव वर्ष

चर्चा में क्यों ?

- यह प्रतिवर्ष 16 अगस्त को मनाया जाता है और इसे नवरोज़ के नाम से भी जाना जाता है जिसका अर्थ है नया दिन।
- यह ईरान, मध्य एशिया और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में पारसी तथा अन्य विभिन्न समुदायों द्वारा मनाया जाता है।
- यह त्योहार नवीनीकरण, पुनर्जन्म और प्रकृति के कायाकल्प का प्रतीक है।
- नवरोज़ को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई है।

पारसी समुदाय के बारे में:

- ये पारसी धर्म का अनुसरण करते हैं, जो विश्व के सबसे पुराने एकेश्वरवादी धर्मों में से एक है।
- इसकी स्थापना प्राचीन ईरान में पैगम्बर ज़ोरोस्टर (या ज़रथुस्त्र) ने छठी-सातवीं शताब्दी के आस-पास की थी।
- पारसी लोग एक ईश्वर में विश्वास करते हैं जिसे अहुरा मज़्दा (बुद्धिमान भगवान) कहा जाता है जिसने विश्व की रचना की है। उनके पवित्र धर्मग्रंथ को अवेस्ता कहा जाता है।
- पारसी लोग सामूहिक रूप से अग्नि मंदिर या अगियारी में पूजा करते हैं।
- **पारसी दो समूहों में विभाजित हैं:** ईरानी और पारसी।
- देश में सबसे अधिक पारसी आबादी महाराष्ट्र में है, उसके बाद गुजरात का स्थान है।
- पारसी उन छह धार्मिक समुदायों में शामिल हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- अन्य पाँच हैं: मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन।

आतंकवाद के पीड़ितों की याद और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 21 अगस्त को मनाया जाता है।
- इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपने प्रस्ताव 72/165 (2017) के तहत अपनाया गया था।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

- यह दिवस पहली बार 2024 में 23 अगस्त को मनाया जा रहा है।
- 23 अगस्त, 2023 को चंद्रयान-3 ने चाँद की सतह पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग की।
- थीम: **"Touching Lives while Touching the Moon: India's Space Saga अर्थात् चाँद को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा।"**

दास व्यापार और उसके उन्मूलन की याद के लिये अंतर्राष्ट्रीय दिवस

- यह प्रतिवर्ष 23 अगस्त को मनाया जाता है।
- वर्ष 1791 के सैंटो डोमिंगो विद्रोह ने ट्रान्साटलांटिक दास व्यापार को समाप्त कर दिया, जिसके बाद वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से सेनेगल के गोरे और हैती में इसे मनाया जाने लगा।

भारत में दास प्रथा

- प्राचीन और मध्यकालीन समय में गुलामी कई रूपों में मौजूद थी, जिसमें बँधुआ मज़दूरी एवं दासता शामिल थी।
- 1843 में **भारतीय दासता अधिनियम** 1843 के माध्यम से भारत में गुलामी को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया गया था।
- **संवैधानिक प्रावधान:** भारतीय संविधान का **अनुच्छेद 23** विशेष रूप से मानव तस्करी और ज़बरन श्रम पर प्रतिबंध लगाता है। इसमें कहा गया है:
  - "(1) मानव तस्करी और भिक्षावृत्ति तथा इसी प्रकार के अन्य प्रकार के ज़बरन श्रम पर प्रतिबंध है एवं इस प्रावधान का कोई भी उल्लंघन कानून के अनुसार दंडनीय अपराध होगा।"
- हाल की पहल: बँधुआ मज़दूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 और मानव तस्करी (व्यक्ति तस्करी) रोकथाम विधेयक।

महिला समानता दिवस

- यह दिवस प्रतिवर्ष 26 अगस्त को मनाया जाता है।
- यह दिन महिला अधिकार कार्यकर्त्ताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाता है और हमें उन अनोखे दैनिक संघर्षों की याद दिलाता है जिनका सामना महिलाएँ करती हैं।
- इसी दिन, अमेरिकी कॉन्ग्रेस 19वें संशोधन को अपनाती है, जिसे 'सुसान बी. एंथनी संशोधन' के रूप में भी जाना जाता है, जो महिलाओं को वोट देने का अधिकार देता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 29 अगस्त को मनाया जाता है और पहली बार वर्ष 2012 में मनाया गया था।
- यह दिन हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती का प्रतीक है, जिन्होंने भारत को वर्ष 1928, वर्ष 1932 और वर्ष 1936 में तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- यह दिन समग्र कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में खेलों के महत्त्व की याद दिलाता है।

खेल

पेरिस ओलंपिक 2024

तलवारबाज़ी स्पर्द्धा

मिस्र की तलवारबाज़ नादा हफीज़ ने खुलासा किया है कि उन्होंने सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। वह प्रतियोगिता में 16वें स्थान पर रहीं।

नादा हफीज़ के बारे में:

- वह मिस्र की तलवारबाज़ हैं और उन्होंने वर्ष 2016 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, वर्ष 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक तथा वर्ष 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में तलवारबाज़ी में भाग लिया है।
- वह चिकित्सा में डिग्री के साथ एक पूर्व जिमनास्ट हैं।
  - वह तीन बार की ओलंपियन हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 के अफ्रीकी खेलों में व्यक्तिगत और टीम तलवारबाज़ी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते हैं।

पेरिस ओलंपिक खेलों में टीम मिस्र की नादा हफ़ेज़

तलवारबाज़ी

- यह एक तेज़ गति वाला और रणनीतिक युद्ध खेल है जिसमें दो प्रतियोगी तलवारों से द्वंद्व करते हैं।
- यह आधुनिक ओलंपिक खेलों में शामिल मूल खेलों में से एक है।
- **प्रकार:**
  - फॉयल
  - एपी (Épée)
  - कृपाण (Sabre)

निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक

- **स्वप्निल कुसाले** ने पेरिस ओलंपिक में **भारत के लिये तीसरा पदक जीता।**
- भारतीय निशानेबाज़ ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीता।
- पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्द्धा में यह भारत का पहला पदक है।
- यह भी पहली बार है कि भारतीय निशानेबाज़ी दल ने किसी ओलंपिक के एक ही संस्करण में तीन पदक जीते हैं।

स्वप्निल कुसाले

स्वप्निल कुसाले के बारे में

- वह महाराष्ट्र के कोल्हापुर ज़िले के कम्बलवाड़ी गाँव से हैं।
- 2015 में उन्होंने कुवैत में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में जूनियर वर्ग में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीता।
- उन्होंने तुगलकाबाद में 59वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में भी जीत हासिल की, 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्द्धा में गगन नारंग और चैन सिंह को पीछे छोड़ दिया।

स्वर्ण पदक विजेता

- **नोवाक जोकोविच**
  - वह सर्बियाई पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं।
  - उन्होंने रोलांड गैरोस में पुरुष एकल फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

नोवाक जोकोविच

- **नोह लाइल्स**
  - वह एक अमेरिकी धावक हैं जो 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्द्धाओं के लिये जाने जाते हैं।

- उन्होंने पुरुषों की रोमांचक 100 मीटर दौड़ को 9.784 सेकंड में पूरा करके स्वर्ण पदक जीता और विश्व के सबसे तेज़ धावक बन गए।

नोआह लाइल्स

- **बॉबी फिंके**
  - ये एक अमेरिकी तैराक हैं जो डिस्टेंस फ्रीस्टाइल स्पर्द्धाओं में अपनी उपलब्धियों के लिये जाने जाते हैं।
  - इन्होंने पुरुषों की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल में लगातार दूसरा ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के लिये 12 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

बॉबी फिंके

- **क्रिस्टन फॉल्कनर**
  - ये संयुक्त राज्य अमेरिका की एक पेशेवर साइकिल चालक हैं।
  - ये वर्ष 1984 में कोनी कारपेंटर के बाद महिलाओं की सड़क दौड़ में स्वर्ण जीतने वाली पहली अमेरिकी बनीं।

क्रिस्टन फॉल्कनर

विनेश फोगाट

- भारत की प्रमुख महिला पहलवान विनेश फोगट ने पेरिस 2024 ओलंपिक में एक दुखद घटना के बाद खेल से संन्यास लेने का निर्णय लिया है।
- उन्हें अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के विरुद्ध 50 किलोग्राम महिला कुश्ती के स्वर्ण पदक मुकाबले में 100 ग्राम वज़न सीमा से अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित दिया गया था।

पहलवान का परिचय

- यह एक भारतीय कुश्ती खिलाड़ी हैं और हरियाणा की तीन बार ओलंपिक में भाग लेने वाली एथलीट हैं।
- यह पहली भारतीय महिला पहलवान हैं, जिन्होंने ओलंपिक फाइनल में प्रवेश किया।
- **पुरस्कर**
  - **वर्ष 2016:** अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित
  - **वर्ष 2018:** भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा पद्म श्री के लिये नामांकित
  - **वर्ष 2019:** लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स के लिये नामांकित, यह नामांकन पाने वाली पहली भारतीय
  - **वर्ष 2020:** मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित, भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान
  - **वर्ष 2022:** BBC इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिये नामांकित

विनेश फोगाट, भारतीय महिला पहलवान

जेवलिन थ्रो

- नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की जेवलिन थ्रो स्पर्द्धा में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता।
- अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर पाकिस्तान के लिये इतिहास रच दिया और व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले पाकिस्तानी बन गए।

नीरज चोपड़ा के बारे में

- यह एक भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं जो जेवलिन थ्रो में माहिर हैं।
- ये हरियाणा के खंडरा से हैं।
- **पुरस्कार:**
  - अर्जुन पुरस्कार - वर्ष 2018
  - विशिष्ट सेवा पदक (VSM) वर्ष 2020
  - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार - वर्ष 2021
  - परम विशिष्ट सेवा पदक (PVSM) - वर्ष 2022
  - पद्म श्री (चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान) - वर्ष 2022

नीरज चोपड़ा

- **उपलब्धियाँ:**
  - **टोक्यो वर्ष 2020 ओलंपिक:** 87.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक।
  - **वर्ष 2022 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप:** रजत पदक, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने।
  - **एशियाई खेल वर्ष 2018:** 88.06 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक।
  - **राष्ट्रमंडल खेल वर्ष 2018:** स्वर्ण पदक।

जेवलिन थ्रो

- यह एक ट्रैक और फील्ड इवेंट है, जिसमें एक एथलीट भाले जैसी वस्तु जिसे जेवलिन कहा जाता है, को यथासंभव दूर तक फेंकता है।
- यह सबसे पुराने एथलेटिक खेलों में से एक है, जिसकी जड़ें प्राचीन ग्रीस में हैं, जहाँ यह मूल ओलंपिक खेलों का हिस्सा था।
- इसे आधुनिक ओलंपिक खेलों में पुरुषों के लिये वर्ष 1908 में और महिलाओं के लिये वर्ष 1932 में शामिल किया गया था।
- **जान ज़ेलेज़नी (चेक गणराज्य):** उन्हें अब तक का सबसे महान भाला फेंक खिलाड़ी माना जाता है, उनके नाम 98.48 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है और उन्होंने तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं।

पुरुष हॉकी

- भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है।
- यह पदक भारतीय हॉकी टीम का इतिहास में 13वाँ और टोक्यो वर्ष 2020 के बाद खेलों में दूसरा कांस्य पदक है।
- **कप्तान:** हरमनप्रीत सिंह
- **पीआर श्रीजेश:** भारत के स्टार गोलकीपर ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की।

भारतीय हॉकी टीम

पश्चिमी भारत बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप 2024

चर्चा में क्यों?

- पंकज आडवाणी ने मुंबई में वेस्टर्न इंडिया बिलियर्ड्स एंड स्नूकर चैंपियनशिप के बिलियर्ड्स फाइनल में जीत हासिल की।
- उन्होंने मुंबई में एस. श्रीकृष्णा को हराकर लगातार छठी बार खिताब जीता।

पंकज आडवाणी

बिलियर्ड्स का परिचय

- यह टेबल पर गेंदों को मारने के लिये उपयोग की जाने वाली क्यू स्टिक से खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के लिये एक सामूहिक शब्द है।
- यह 15वीं शताब्दी का खेल है, जिसकी उत्पत्ति यूरोप में हुई थी, शुरू में यह आउटडोर खेल था, बाद में इंडोर बन गया।
- इस शब्द में कैरम बिलियर्ड्स (बिना पॉकेट के), पूल (छह पॉकेट वाले पॉकेट बिलियर्ड्स) और स्नूकर (विशिष्ट नियमों के साथ एक बड़ी टेबल पर खेले जाने वाले) जैसे खेल शामिल हैं।

बिलियर्ड्स

- प्राथमिक उपकरण में एक क्यू स्टिक, बिलियर्ड बॉल (पूल के लिये 15, कैरम के लिये 3) और एक बिलियर्ड टेबल शामिल हैं।

पेरिस पैरालिंपिक 2024

चर्चा में क्यों?

- भारतीय पैरालंपिक समिति ने उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सांगवान को भारत के पैरालंपिक दल का प्रमुख नियुक्त किया है।
- भारत 12 खेलों में भाग लेगा, जिसमें पेरिस पैरालंपिक में रिकॉर्ड 84 भारतीय एथलीट भाग लेंगे।

सत्य प्रकाश सांगवान

पैरालंपिक खेल

- ये खेल दिव्यांग एथलीटों के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन होते हैं, जो ओलंपिक खेलों के बाद हर चार वर्ष में आयोजित किये जाते हैं।
- पहले आधिकारिक पैरालिंपिक खेल वर्ष 1960 में रोम में आयोजित किये गए थे, लेकिन इसकी शुरुआत वर्ष 1948 में स्टोक मैंडविल खेलों से हुई थी, जो रीढ़ की हड्डी की चोटों से पीड़ित द्वितीय विश्व युद्ध के दिग्गजों के लिये आयोजित किये गए थे।
- ये खेल दिव्यांगजनों के लिये समावेश, विविधता और बाधाओं को तोड़ने को बढ़ावा देते हैं।
- पैरालिंपिक में कई तरह के खेल शामिल होते हैं, जिनमें एथलेटिक्स, तैराकी, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, सिटिंग वॉलीबॉल और पैरा-पावरलिफ्टिंग आदि शामिल हैं।

चर्चित व्यक्तित्व

प्रथम महिला महानिदेशक (डीजी) चिकित्सा सेवा (सेना)

चर्चा में क्यों?

- लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर ने महानिदेशक (डीजी) चिकित्सा सेवा (सेना) का पदभार ग्रहण किया। वह इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला बन गई हैं।
- इससे पहले, वह एयर मार्शल के पद पर पदोन्नति के बाद डीजी अस्पताल सेवा (सशस्त्र बल) का पद संभालने वाली पहली महिला थीं।

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर

साधना सक्सेना नायर के बारे में:

- उन्हें दिसंबर वर्ष 1985 में आर्मी मेडिकल कोर में कमीशन किया गया था।
- वह पश्चिमी वायु कमान और भारतीय वायु सेना (IAF) की प्रशिक्षण कमान की पहली महिला प्रधान चिकित्सा अधिकारी भी हैं।

- उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी वायु कमान और चीफ ऑफ द एयर स्टाफ प्रशंसा के साथ-साथ विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

पिंगली वेंकैया

- **जन्म:** 2 अगस्त, 1876
- **मृत्यु:** 4 जुलाई, 1963
- **अन्य नाम:** झंडा वेंकैया
- **प्रसिद्ध:** भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिज़ाइनर
- उनका जन्म मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) के पास भटलापेनुमरु में एक तेलुगू ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- ये एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी थे तथा महात्मा गांधी के अनुरोध पर उन्होंने केसरिया, सफेद एवं हरे रंग के साथ बीच में चक्र के साथ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को डिज़ाइन किया था।
- उन्होंने वर्ष 1916 में **नेशनल फ्लैग फॉर इंडिया** नामक एक पुस्तक लिखी थी।

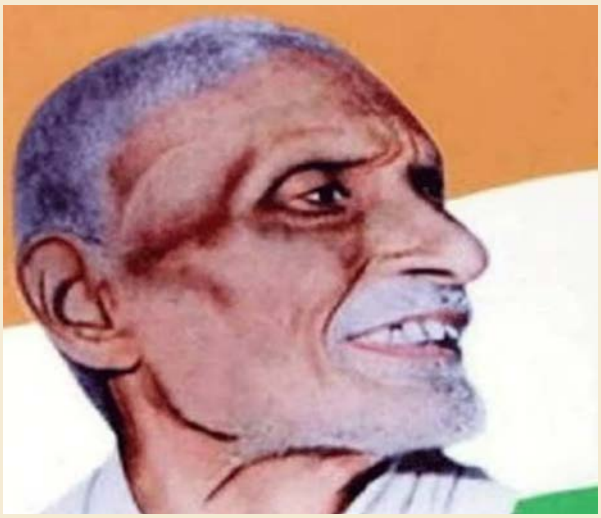

पिंगली वेंकैया

शेख हसीना

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी सरकार के विरुद्ध बढ़ते विरोध और हिंसा के बीच 5 अगस्त, 2024 को इस्तीफा दे दिया तथा बांग्लादेश छोड़ दिया।
- पिछले कुछ हफ्तों में अशांति के कारण 300 से ज़्यादा लोगों की मौत हो चुकी है एवं हज़ारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विरोध प्रदर्शन के बारे में

- वर्ष 1972 में शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान ने वर्ष 1971 के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वालों के वंशजों के लिये सिविल सेवा और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में 30% कोटा लागू किया।
- विरोध प्रदर्शनों के जवाब में, शेख हसीना ने अक्तूबर, 2018 में सभी नौकरी आरक्षण समाप्त कर दिये।
- जून, 2024 में उच्च न्यायालय ने कोटा बहाल कर दिया, जिससे नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।
- यहाँ तक कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा कम करने के लिये हस्तक्षेप किया, तब तक विरोध प्रदर्शन हसीना सरकार के विरुद्ध एक व्यापक आंदोलन में बदल चुका था।
- **सरकार की प्रतिक्रिया**
  - इंटरनेट सेवाएँ निलंबित कर दी गई थी।
  - तीन दिन का राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया और देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था।
  - हसीना द्वारा प्रदर्शनकारियों को 'रजाकार' (देशद्रोही) करार दिये जाने से स्थिति और बिगड़ गई थी।
- **विरोध आंदोलन**
  - छात्र समूह "स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन" ने हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर ढाका तक लॉन्ग मार्च शुरू किया था।

शेख हसीना

- **पूरा नाम:** शेख हसीना वाज़ेद
- **पार्टी:** अवामी लीग
- **प्रधानमंत्री:** वर्ष 1996-2001, 2009-2014, 2014-1996-2001, 2009-2014, 2014-2018 और 2018-2024
- वह बांग्लादेश के संस्थापक और प्रथम राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की पुत्री हैं।
- **बांग्लादेश**
  - **राजधानी:** ढाका
  - **मुद्रा:** बांग्लादेशी टका
  - **सीमाएँ:** भारत और म्याँमार

अग्नि मिसाइल के जनक

चर्चा में क्यों?

प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और भारत के मिसाइल कार्यक्रम के पीछे प्रेरक शक्ति रहे डॉ. राम नारायण अग्रवाल का हैदराबाद में निधन हो गया। उन्हें अग्नि मिसाइलों के जनक के रूप में जाना जाता था।

डॉ. राम नारायण अग्रवाल के बारे में:

- वह एक भारतीय एयरोस्पेस इंजीनियर थे
- उन्होंने कार्यक्रम निदेशक (AGNI) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला के निदेशक के रूप में काम किया है।
- उन्होंने हैदराबाद में उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (Advanced Systems Laboratory- ASL) की स्थापना की जो मिसाइल प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गया।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - वर्ष 1990 में पद्म श्री
  - वर्ष 2000 में पद्म भूषण

डॉ. राम नारायण अग्रवाल

अग्नि मिसाइलों के बारे में:

- अग्नि मिसाइल श्रृंखला का विकास पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नेतृत्व में एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत 1980 के दशक के प्रारंभ में शुरू हुआ था।
- अग्नि-1 से 5 मिसाइलों को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिज़ाइन और विकसित किया गया है।
- **अग्नि मिसाइल श्रृंखला:**
  - **अग्नि I**: 700-800 किलोमीटर की परास।
  - **अग्नि II**: 2000 किलोमीटर से अधिक की परास।
  - **अग्नि III:** 2,500 किलोमीटर से अधिक की परास।
  - **अग्नि IV:** इसकी मारक क्षमता 3,500 किलोमीटर से अधिक है तथा इसे सड़क पर चलने वाले मोबाइल लांचर से फायर किया जा सकता है।
  - **अग्नि-V**: अग्नि श्रृंखला की सबसे लंबी मिसाइल, एक अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है जिसकी परास 5,000 किलोमीटर से अधिक है।

अग्नि मिसाइल

चीफ जनरल एस. पद्मनाभन

चर्चा में क्यों ?

- पूर्व थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल एस. पद्मनाभन का चेन्नई में निधन हो गया। उन्हें उनके साथियों के बीच 'पैडी' के नाम से भी जाना जाता था।
- उन्होंने ऑपरेशन पराक्रम (PARAKRAM) में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था।

पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल एस. पद्मनाभन

ऑपरेशन पराक्रम के बारे

- यह वर्ष 2001 में भारतीय संसद पर हुए हमले के जवाब में भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।
- यह वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की प्रमुख लामबंदी है।

विश्व का सबसे वृद्ध व्यक्ति

चर्चा में क्यों?

- विश्व की सबसे वृद्ध महिला स्पेन की मारिया ब्रान्यास मोरेरा का 117 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।
- उनका जन्म वर्ष 1907 में अमेरिका में हुआ था और वे दो विश्व युद्धों में शामिल रही थीं।
- गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने जनवरी 2023 में फ्राँसीसी नन लुसिले रैंडन की मृत्यु के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रान्यास को विश्व की सबसे वृद्ध महिला के रूप में मान्यता दी थी।

मारिया ब्रान्यायास मोरेरा

नोट:

अब तक जीवित रहने वाली सबसे वृद्ध सत्यापित फ्राँसीसी महिला **जीन लुईस कालमेंट** थीं, जिनकी मृत्यु वर्ष 1997 में 122 वर्ष और 164 दिन की आयु में हुई थी।

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

- **संपादक:** क्रेग ग्लेनडे
- **प्रकाशन स्थान:** यूनाइटेड किंगडम
- **प्रकाशक:** जिम पैटीसन ग्रुप
- इसे पहली बार वर्ष 1955 में गिनीज़ बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के रूप में प्रकाशित किया गया था।
- इसकी शुरुआत गिनीज़ ब्रूअरी के प्रबंध निदेशक सर ह्यूग बीवर ने की थी, जिसे मूल रूप से रिकॉर्ड के बारे में पब के विवादों को सुलझाने के लिये बनाया गया था।
- यह एक वार्षिक प्रकाशन है जो मानव उपलब्धियों और प्राकृतिक विश्व की चरम सीमाओं के विश्व रिकॉर्ड को सूचीबद्ध करता है।

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का लोगो

फतेमेह मोहजेरानी

चर्चा में क्यों?

- ईरान ने फतेमेह मोहजेरानी को पहली महिला सरकारी प्रवक्ता नियुक्त किया है। वह ईरान की 11वीं सरकार में शरियाती तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय (महिलाओं के लिये) की पूर्व प्रमुख थीं।
- इससे पहले, उन्होंने वर्ष 2017 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री सैय्यद मोहम्मद बथाई द्वारा सेंटर फॉर ब्रिलियंट टैलेंट्स के प्रमुख के रूप में कार्य किया था तथा देश के शिक्षा मंत्रालय में अन्य पदों पर भी कार्य किया है।

फतेमेह मोहजेरानी

ईरान के बारे में

- **राजधानी:** तेहरान
- **भाषा:** फारसी
- **सरकार:** धर्मतंत्र, इस्लामी गणतंत्र, एकात्मक राज्य, संसदीय प्रणाली, राष्ट्रपति प्रणाली
- **सर्वोच्च नेता:** अली खामेनेई
- **राष्ट्रपति:** मसूद पेज़ेशकियन
- **सीमाएँ:** उत्तर में अज़रबैजान, आर्मेनिया, तुर्कमेनिस्तान और कैस्पियन सागर; पूर्व में पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान; दक्षिण में फारस की खाड़ी एवं ओमान की खाड़ी; पश्चिम में तुर्की व इराक।

ईरान का स्थान

अब्दुल गफूर मजीद नूरानी (ए.जी. नूरानी)

चर्चा में क्यों ?

प्रसिद्ध वकील, संवैधानिक विशेषज्ञ और विपुल लेखक ए.जी. नूरानी का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

ए.जी. नूरानी

परिचय

- उन्होंने 1953 में बॉम्बे हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया और ब्रिटिश शासन के दौरान बैरिस्टर के रूप में प्रैक्टिस करने वाले पहले भारतीय बने।
- यद्यपि वे कानून का अभ्यास करते थे, नूरानी ने अपना अधिकांश समय कानूनी, राजनीतिक और ऐतिहासिक विषयों पर लेखन में लगाया।
- उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और बदरुद्दीन तैयबजी की जीवनी लिखी।
- **उल्लेखनीय कार्य**
  - द कश्मीर क्वेश्चन (1964)
  - मिनिस्टर्स मिसकंडक्ट (1973)
  - कान्स्टिट्यूशनल क्वेश्चन एंड सिटीज़ंस राईट (2006)
  - द आर.एसएस: ए मीनेस टू इंडिया (2019)

सरकारी योजनाएँ

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित योजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने अपने मुख्य कार्यक्रमों को तीन व्यापक अम्ब्रेला योजनाओं में पुनर्गठित किया है: मिशन शक्ति, मिशन पोषण 2.0 और मिशन वात्सल्य।
- इस पुनर्वर्गीकरण का उद्देश्य महिलाओं तथा बच्चों को सहायता देने वाली पहलों के फोकस एवं प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0

- **उद्देश्य:** बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना तथा आँगनवाड़ी प्रणाली को मज़बूत करना।
- इस कार्यक्रम के तहत, आँगनवाडी सेवा योजना, पोषण अभियान और किशोरियों के लिये योजना को 3 प्राथमिक उप-वर्टिकल में पुनर्गठित किया गया है:
  - पोषण और किशोरियों के लिये पोषण सहायता
  - प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा [3-6 वर्ष]
  - आधुनिक, उन्नत सक्षम आँगनवाड़ियों सहित आँगनवाड़ी अवसंरचना।

मिशन शक्ति

- **उद्देश्य:** महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तीकरण सुनिश्चित करना।

- इसमें दो श्रेणियों के अंतर्गत योजनाएँ शामिल होंगी: महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा के लिये संबल एवं महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये सामर्थ्य।
- **संबल:** इसमें वन स्टॉप सेंटर (OSC), महिला हेल्पलाइन (-181 WHL) और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) जैसी योजनाएँ शामिल हैं।
- **सामर्थ्य:** इसमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY), उज्ज्वला, स्वाधार गृह (जिसका नाम बदलकर शक्ति सदन कर दिया गया है), कार्यकारी महिला छात्रावास (जिसका नाम बदलकर सखी निवास कर दिया गया है), राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण केंद्र (NHEW) और राष्ट्रीय क्रेच योजना (जिसका नाम बदलकर पालना कर दिया गया है) जैसी योजनाएँ शामिल हैं।

मिशन वात्सल्य

- **उद्देश्य:** बच्चों की भलाई, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करना।
- इसने ज़रूरतमंद बच्चों की बेहतर पहुँच और सुरक्षा के लिये एकीकृत बाल संरक्षण योजना (ICPS) को मिशन मोड में शामिल किया है, जिसका उद्देश्य है:
  - कठिन परिस्थितियों में बच्चों को सहायता और सहारा देना।
  - विभिन्न पृष्ठभूमियों के बच्चों के समग्र विकास के लिये संदर्भ-आधारित समाधान विकसित करना।
  - नवीन समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिये ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के लिये कार्य-क्षेत्र प्रदान करना।
  - यदि आवश्यक हो तो गैप फंडिंग द्वारा अभिसरण कार्रवाई को मज़बूत करना।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

- **स्थापना:** 30 जनवरी, 2006
- **प्रमुख:** अन्नपूर्णा देवी
- **उद्देश्य:** शैक्षिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवाएँ और कौशल विकास के अवसर प्रदान करके महिलाओं तथा बच्चों के समग्र विकास के लिये अनुकूल वातावरण प्रदान करना।

अमृत 2.0

चर्चा में क्यों?

- अमृत 2.0 पहल के तहत, शहर जल आपूर्ति, सीवेज सिस्टम को बेहतर बनाने और जल निकायों एवं पार्कों को पुनर्जीवित करने के लिये 5,000 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाएँ शुरू की जाएगी।
- यह प्रयास सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100-दिवसीय एजेंडे के अनुरूप है, जिसमें सतत् शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation- AMRUT)

- **लॉन्च:** वर्ष 2015
- **उद्देश्य:** बुनियादी शहरी ढाँचे और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना।
- **फोकस क्षेत्र:**
  - **जल आपूर्ति:** सार्वभौमिक कवरेज और कुशल प्रबंधन।
  - **सीवरेज और सेप्टेज:** प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन।
  - **जल निकासी:** शहरी बाढ़ को कम करना।
  - **शहरी परिवहन:** सार्वजनिक और गैर-मोटर चालित परिवहन को बढ़ाना।
  - **हरित स्थान:** पार्क और खुले क्षेत्रों का विकास एवं रखरखाव करना।
  - **कवरेज:** 500 शहर, जिनमें एक लाख से अधिक आबादी वाले सभी शहर और अधिसूचित नगर पालिकाएँ शामिल हैं।

अमृत 2.0 के बारे में

- इसका उद्देश्य सीवेज और सेप्टिक प्रबंधन को बढ़ाना, शहरों को जल सुरक्षित बनाना तथा नदियों में सीवेज के बहाव को रोकना है।

100-दिवसीय एजेंडा

- 100 दिवसीय एजेंडे के भाग के रूप में, शहरों में 500 MLD सीवेज उपचार क्षमता और 150 MLD जल उपचार क्षमता स्थापित की जाएगी, जिससे 8 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा।
- **अतिरिक्त पहल:**
  - दिल्ली मास्टर प्लान 2041 का कार्यान्वयन।
  - 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार आठ नए ग्रीनफील्ड शहरों की स्थापना, जिनमें से प्रत्येक के लिये 1,000 करोड़ रुपए का वित्तपोषण किया जाएगा।

- **उद्देश्य:**
  - 2.68 करोड़ नल कनेक्शन के साथ 4,800 शहरी स्थानीय निकायों में 100% जल आपूर्ति कवरेज प्राप्त करना
  - 2.64 करोड़ कनेक्शन के साथ 500 AMRUT शहरों में 100% सीवेज और सेप्टेज कवरेज सुनिश्चित करना

सुभद्रा योजना को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

- ओडिशा के मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में महिला सशक्तीकरण के लिये एक पहल को मंज़ूरी देने की घोषणा की।
- सरकार ने अपनी पहली महिला-समर्थक पहल - सुभद्रा योजना के लिये समावेशन और बहिष्करण मानदंड बनाए हैं, जो लाभार्थियों को अगले पाँच वर्षों के दौरान जब भी वे पात्र हों, लाभ उठाने की अनुमति देता है।
- इस योजना को वित्तीय वर्ष 2024-25 से वित्तीय वर्ष 2028-29 तक लागू करने के लिये मंज़ूरी दी गई है।

योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** यह राज्य में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा और महिलाओं में आत्मनिर्भरता लाएगा।
- इसमें 21 वर्ष या उससे अधिक और 60 वर्ष से कम आयु की सभी पात्र महिलाओं को शामिल किया जाएगा।
- राखी पूर्णिमा दिवस और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 5000 रुपए की दो किस्तों में कुल 10,000 रुपए प्रतिवर्ष का भुगतान किया जाएगा।
- आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों, सरकारी कर्मचारी या आयकर दाता महिलाओं को इस योजना के तहत पात्र नहीं माना जाएगा।
- इसके अलावा, जो महिलाएँ किसी अन्य सरकारी योजना के तहत 1,500 रुपए प्रति माह या उससे अधिक या 18,000 रुपए प्रतिवर्ष या उससे अधिक की सहायता प्राप्त कर रही हैं, वे भी शामिल होने के लिये अपात्र होंगी।

ओडिशा

- **राजधानी:** भुवनेश्वर
- **मुख्यमंत्री:** मोहन चरण माझी
- **राज्यपाल:** रघुबर दास
- **आधिकारिक भाषा:** ओडिया
- **प्रमुख नृत्य रूप:** ओडिसी, घूमर
- **पर्यटक आकर्षण:** कोणार्क सूर्य मंदिर, पुरी जगन्नाथ मंदिर, चिल्का झील

उड़ीसा का स्थान

पुरस्कार और सम्मान

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP)

चर्चा में क्यों?

- चंद्रयान-3 की विकास टीम में शामिल भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक जी. पद्मनाभन और बेंगलूरू स्थित भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की निदेशक अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम सहित 30 अन्य व्यक्तियों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP) के लिये चयनित किया गया है।
- यह पुरस्कार पिछले वर्ष स्थापित किये गए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों के नए सेट का हिस्सा है।

RVP पुरस्कार का परिचय

- **स्थापना:** पिछले साल स्थापित, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार सहित सभी मौजूदा विज्ञान पुरस्कारों का स्थान लेगा।
- पुरस्कार समारोह 23 अगस्त को पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आयोजित किया जाएगा।
- **स्थान:** राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र
- जनवरी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित चार श्रेणियों में 56 पुरस्कारों की घोषणा की गई।
- **श्रेणियाँ**
  - **विज्ञान रत्न:** आजीवन उपलब्धि
  - **विज्ञान श्री:** सभी आयु वर्ग के वैज्ञानिकों द्वारा विशिष्ट योगदान
  - **विज्ञान युवा:** 45 वर्ष से कम आयु के वैज्ञानिक
  - **विज्ञान टीम:** सहयोगात्मक शोध कार्य

प्रमुख पुरस्कार विजेता

- **जी. पद्मनाभन**
  - भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक
  - मलेरिया परजीवी पर काम के लिये जाने जाने वाले प्रसिद्ध जैव रसायनज्ञ
  - पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित
  - विज्ञान रत्न से सम्मानित
- **चंद्रयान-3 टीम**
  - चंद्रमा पर भारत का पहला अंतरिक्ष यान उतारने में सफल रहा
  - विज्ञान टीम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा
- **अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम**
  - भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बेंगलूरू के निदेशक
  - तारा समूहों और आकाशगंगाओं के निर्माण एवं विकास पर शोध
  - विज्ञान श्री से सम्मानित किया जाएगा
- **अन्य विज्ञान श्री पुरस्कार विजेता**
  - **जयंत भालचंद्र उदगाँवकर,** जीवविज्ञानी और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (Indian Institute of Science Education and Research- IISER) पुणे के पूर्व निदेशक
  - **नबा कुमार मंडल,** साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता के कण भौतिक विज्ञानी
- **विज्ञान युवा पुरस्कार विजेता**
  - **विवेक पोलशेट्टीवार,** टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई; कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों पर काम करते हैं।
  - **उर्वशी सिन्हा,** रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बंगलूरू; क्वांटम अनुसंधान में विशेषज्ञ।
  - **रॉक्सी मैथ्यू कोल,** भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे; जलवायु वैज्ञानिक।

नोबेल पुरस्कार विजेता

चर्चा में क्यों ?

- नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।
- पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और पद छोड़ने के बाद यह शपथ ली गई।
- राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने ढाका में राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाई। लेकिन वे अपने देश का नेतृत्व करने वाले पहले नोबेल पुरस्कार विजेता नहीं होंगे।

नोबेल पुरस्कार विजेता जो अपने देश के राष्ट्राध्यक्ष बने:

- **लेस्टर बी. पियर्सन:**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 1957, स्वेज संकट को सुलझाने के लिये।
  - **नेतृत्व:** कनाडा के प्रधानमंत्री (1963-1968)
- **लेक वाटेसा:**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 1983, पोलैंड में मुक्त ट्रेड यूनियनों और मानवाधिकारों के लिये अहिंसक संघर्ष के लिये।
  - **नेतृत्व:** पोलैंड के राष्ट्रपति (1990-1995)
  - **उपलब्धियाँ:** पोलैंड में साम्यवादी शासन को समाप्त करने के लिये सॉलिडैरिटी आंदोलन का नेतृत्व किया।
- **आंग सान सू की:**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 1991, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिये उनके अहिंसक संघर्ष के लिये।
  - **नेतृत्व:** म्यांमार की स्टेट काउंसलर (2016-2021)
  - **उपलब्धियाँ:** म्यांमार के सैन्य शासन से आंशिक लोकतंत्र में परिवर्तन का नेतृत्व किया, लेकिन बाद में रोहिंग्या संकट में उनकी भूमिका के लिये आलोचना का सामना करना पड़ा।
- **नेल्सन मंडेला:**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 1993, फ्रेडरिक विलेम डी क्लार्क के साथ संयुक्त रूप से रंगभेद को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने के लिये।
  - **नेतृत्व:** दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति (1994-1999)
  - **उपलब्धियाँ:** दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति, रंगभेद को समाप्त करने और लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना में अहम योगदान।
- **जोस रामोस-होर्टा (पूर्वी तिमोर):**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 1996, पूर्वी तिमोर में शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करने के लिये।
  - **नेतृत्व:** पूर्वी तिमोर के राष्ट्रपति (2007-2012, 2022-वर्तमान), प्रधानमंत्री (2006-2007)।
  - **उपलब्धियाँ:** इंडोनेशिया से पूर्वी तिमोर की स्वतंत्रता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **मुहम्मद युनुस (बांग्लादेश):**
  - **नोबेल शांति पुरस्कार:** वर्ष 2006, माइक्रोक्रेडिट के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रयासों के लिये।
  - **नेतृत्व:** वर्ष 2024 में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिये तैयार।

पुस्तकें एवं लेखक

भारतीय वायु सेना के नायक

चर्चा में क्यों ?

- वायु सेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने भारतीय वायु सेना के नायकों की श्रृंखला में पहली कॉमिक पुस्तक लॉन्च की है।
- इसका उद्देश्य भारतीय वायु सेना के ऐतिहासिक और वीरता की कहानियों को प्रस्तुत करना है, ताकि पाठकों को भारतीय वायु सेना के युद्ध इतिहास के बारे में शिक्षित किया जा सके और देश के युवाओं में कर्तव्य और प्रेरणा की भावना पैदा की जा सके।

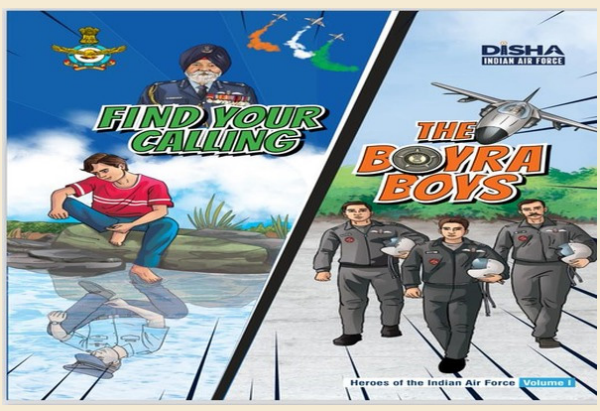

कॉमिक के बारे मे

- इसमें दो कहानियाँ शामिल हैं, पहली कहानी एयर मार्शल अरजन सिंह DFC के बारे में है और दूसरी 1971 की ऐतिहासिक बॉयरा की लड़ाई के बारे में है।
- यह भारतीय वायु सेना में करियर के विकल्पों और पात्रता मानदंडों की जानकारी भी प्रदान करता है।

इंडिया@100: कल के आर्थिक महाशक्ति की दृष्टि

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में 'इंडिया@100: कल के आर्थिक महाशक्ति की दृष्टि' शीर्षक वाली पुस्तक का विमोचन किया, जिसे प्रोफेसर कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमणियन ने लिखा है।

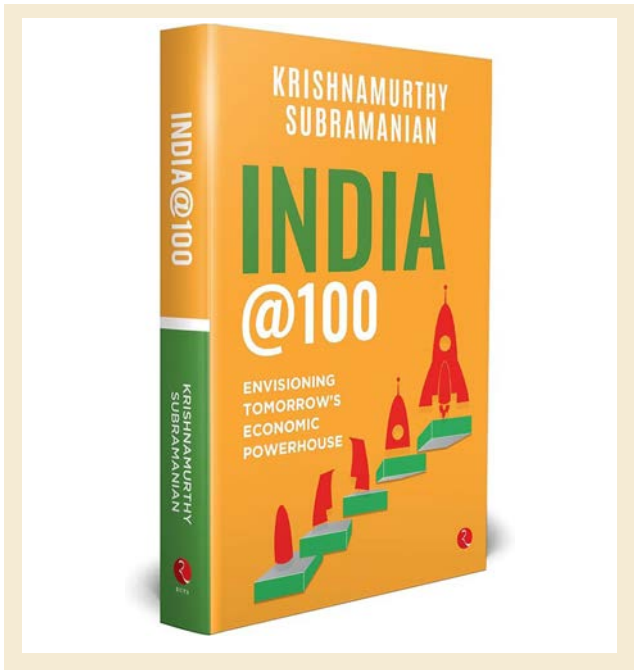

पुस्तक के बारे में

- **उद्देश्य:** यह पुस्तक 2047 तक भारत की वृद्धि और विकास के लिए एक व्यापक दृष्टि को रेखांकित करती है, जब देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा।
- **थीम**
  - सतत और समावेशी आर्थिक विकास प्राप्त करना।
  - शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से मानव पूंजी को बढ़ाना।
  - नवाचार और प्रौद्योगिकी में उन्नति को प्रोत्साहित करना।
  - संस्थानों और शासन को मजबूत करना।

कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमणियन के बारे में

पद: 2018 से 2021 तक भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA) के रूप में कार्य किया।

मोदी का शासन विजय: भारत के समृद्धि के मार्ग को नया रूप देना

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 'मोदी का शासन विजय: भारत के समृद्धि के मार्ग को नया रूप देना' शीर्षक वाली पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत की प्रगति में योगदान को उजागर किया गया है।

पुस्तक के बारे में

- **उद्देश्य:** यह पुस्तक दिखाती है कि मोदी का शासन भारत के समृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में कैसे नया रूप दे रहा है।
- **नवोन्मेषी पहल:** यह पुस्तक मोदी के नेतृत्व में लागू की गई प्रमुख नवोन्मेषी पहलों और परिवर्तनकारी परिवर्तनों का अन्वेषण करती है।
- **अंत्योदय मिशन:** विशेष रूप से अंत्योदय मिशन पर जोर दिया गया है, जो समाज के सबसे हाशिए पर रहने वाले वर्गों को ऊपर उठाने पर केंद्रित है।

वैज्ञानिक उद्यमी: लाखों महिलाओं को सशक्त बनाना

चर्चा में क्यों?

सौम्या स्वामिनाथन, एमएस स्वामिनाथन अनुसंधान फाउंडेशन की अध्यक्ष और पूर्व WHO मुख्य वैज्ञानिक ने 'वैज्ञानिक उद्यमी: लाखों महिलाओं को सशक्त बनाना' शीर्षक वाली आत्मकथा जारी की, जिसे कार्यकर्ता कल्पना संकर ने लिखा है।

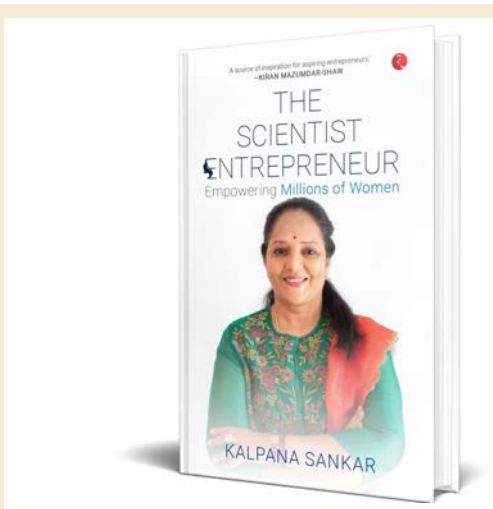

कल्पना संकर के बारे में

- वह एक सामाजिक उद्यमी और विकास विशेषज्ञ हैं, जिन्हें गरीबों के उन्मूलन और विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उनके प्रभावशाली कार्य के लिए जाना जाता है।
- वर्तमान में वह 'हैंड इन हैंड इंडिया' नामक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जो गरीबी उन्मूलन और सामाजिक विकास पर केंद्रित है।